मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक
रांची, शनिवार, 27 जून 2026
संवत 2083, शुद्ध ज्येष्ठ शुक्ल 12 मूल्य-3 रुपये
वर्ष-9, अंक 283, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ वेनेजुएला का भूकंप: मानवीय त्रासदी और आपदा तैयारी की वैश्विक चेतावनी
फिल्मों के चुनाव को लेकर चेतना पांडे का बेबाक बयान ◂◂ 6

आपसी विवाद में टांगी-भुजाली से पैर काटकर युवक की हत्या, चाचा गंभीर

पानी पीने के बहाने घर में घुसे हमलावर

मेट्रो रेज

चतरा: जिले के सदर थाना क्षेत्र के गोड़ाई गांव से एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। मोहर्रम जुलूस के दौरान पुरानी रंजिश को लेकर बेखौफ हमलावरों ने एक युवक की घर में घुसकर निर्मम हत्या कर दी। वहीं, बीच-बचाव करने आए उसके चाचा को भी चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया है। घटना शुक्रवार की रात करीब 11:30 बजे की बताई जाती है। जानकारी के मुताबिक मोहर्रम जुलूस के दौरान डीजे बंद कर कुछ हमलावर मोहम्मद आबिद के घर में घुसे। उन्होंने पहले परिवार वालों से पानी मांगा और फिर शाहजहा को खोजना शुरू किया। शाहजहां के सामने आते ही हमलावरों ने टांगी और भुजाली से उसकी जांघ पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। इस हमले में उसकी जांघ की मांसपेशियां बुरी तरह कट गईं और अत्यधिक खून बहने लगा। भतीजे को लहूलुहान देख जब चाचा शबीर मियां उसे बचाने दौड़े, तो हमलावरों ने उनके सीने के दोनों तरफ चाकू से वार कर दिया। शबीर के सीने में कुल 13 टांके लगे हैं और उनका रांची के मेदांता हॉस्पिटल में इलाज जारी है। वहीं, गंभीर रूप से घायल शाहजहां ने बेहतर इलाज के लिए रांची ले जाने के क्रम में रास्ते में ही दम तोड़ दिया। परिजनों के मुताबिक, तीन दिन पहले शाहजहां और आरोपियों के बीच बहस हुई थी। मोहर्रम के बाद इस विवाद को सुलझाने के लिए बैठक होनी थी, लेकिन उससे पहले ही इस हत्याकांड को अंजाम दे दिया गया। सदर थाना प्रभारी अवधेश सिंह ने बताया कि नामजद आरोपी बाप-बेटे, फरहान और फैजान पिता- साजिद अंसारी की पहचान कर ली गई है। पुलिस ने कहा कि परिजनों की आवेदन के आधार पर मामले की गहन तफ्तीश और आरोपियों की गिरफ्तारी में जुटी है।

शराबी बेटे ने टांगी से मारकर की पिता की हत्या, सनसनी

पिता के डांटने से था नाराज

बोकारो: गोमिया प्रखंड के तिलैया पंचायत अंतर्गत लुगू पहाड़ की तलहटी स्थित कारीपानी गांव में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक बेटे ने नशे की हालत में अपने ही पिता की टांगी से वार कर हत्या कर दी। घटना शुक्रवार देर रात की बताई जा रही है। वारदात के बाद पूरे गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है।

मिली जानकारी के अनुसार, 30 वर्षीय अर्जुन करमाली अपने मामा के घर आयोजित एक कार्यक्रम से देर रात घर लौटा था। वह नशे में धुत था। उसकी इस आदत से लंबे समय से परेशान उसके पिता जयलाल करमाली (63) ने उसे फटकार लगाई। उन्होंने बेटे से कहा कि उसकी शराब की लत के कारण परिवार में हमेशा अशांति रहती है और पत्नी भी मारपीट से तंग आकर मायके चली गई है। पिता की बात सुनकर अर्जुन आपा खो बैठा। दोनों के बीच कहासुनी बढ़ गई और गुस्से में उसने घर में रखी टांगी उठाकर अपने पिता के सिर पर वार कर दिया। गंभीर चोट लगने से जयलाल करमाली की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद ग्रामीणों ने आरोपी अर्जुन करमाली को पकड़ लिया और उसे घर में ही बांधकर रखा। पुलिस को मामले की सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हत्या में इस्तेमाल टांगी भी पुलिस ने बरामद कर जब्त कर ली है। जगेश्वर बिहार थाना प्रभारी प्रकाश यादव ने कहा कि पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है और आरोपी से पूछताछ कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

शनिवार सुबह तिलैया पंचायत की मुखिया चिंता देवी भी घटनास्थल पहुंची। उन्होंने घटना को बेहद दुखद और शर्मनाक बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि नशे की बढ़ती प्रवृत्ति समाज और परिवार दोनों के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है।

जमीन विवाद में बुजुर्ग की हुई हत्या का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

रांची: जिले के तमाड़ थाना क्षेत्र में जमीन विवाद को लेकर एक 70 वर्षीय बुजुर्ग की निर्मम हत्या कर दी गई। पुलिस ने आरोपी को लोहे के दाउली के साथ गिरफ्तार कर लिया है।

क्या है मामला: 24 जून 2026 को दोपहर में ग्राम बारेडीह निवासी गोविन्द महतो अपने खेत में बीज डालने गए थे। काम खत्म कर जब वे एक पेड़ के नीचे छांव में बैठे थे, तभी गांव के ही कुईला महतो ने पीछे से लोहे के दाउली से उनकी गर्दन पर वार कर दिया। मौके पर ही गोविन्द महतो की मौत हो गई।

पुराना था विवाद: परिजनों के मुताबिक गोविन्द महतो और कुईला महतो के बीच जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। आए दिन दोनों पक्षों में लड़ाई-झगड़ा होता रहता था।

पुलिस कार्रवाई: 26 जून को मृतक के बेटे रामायण महतो की शिकायत पर तमाड़ थाना में कांड संख्या 38/2026 दर्ज किया गया। धारा 103(1) / 351(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की।

थाना प्रभारी दुलाल कुमार महतो के नेतृत्व में छापामारी कर 50 वर्षीय आरोपी कुईला महतो को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल लोहे का दाउली भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

दर्दनाक सड़क हादसा, बोलेरो और बाइक की टक्कर में एक की मौत,एक घायल

चतरा: जिले के इटखोरी थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला,जहां देर रात करीब 11:30 बजे एक बोलेरो और वाईक की आमने सामने हुई टक्कर में बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा हजारीबाग-चतरा मेन रोड पर पथरिया मोड़ के पास हुआ। हादसे में मयूरहंड थाना क्षेत्र के के ढोढ़ी मंधनिया गांव निवासी 25 वर्षीय छोटू दास और 35 वर्षीय भोला दास गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों युवक इटखोरी में निजी काम निपटाकर अपने घर लौट रहे थे। सूचना मिलते ही इटखोरी थाना पुलिस टीम मौके पर पहुंची तथा दोनों घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इटखोरी में भर्ती कराया गया। ईटखोरी थाना प्रभारी अभिषेक सिंह ने बताया कि दोनों युवक के पैरों में गंभीर चोटें आईं थी। प्राथमिक उपचार के पश्चात घायलों को बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग भेजा गया। जहां गंभीर रूप से घायल भोला दास को रांची रेफर कर दिया गया,परंतु रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि छोटू दास का इलाज हजारीबाग में चल रहा है।

विभागीय अनियमितता मामले में प्रशासनिक सेवा के एक अधिकारी को किया गया दंडित

रांची: झारखंड सरकार ने विभागीय अनियमितता के मामले में झारखंड प्रशासनिक सेवा के एक अधिकारी पर कार्रवाई करते हुए उन्हें दंडित किया है, जबकि दूसरे अधिकारी को लंबे समय से लंबित मामले में पूरी तरह राहत मिल गई है।

पलामू जिले के पाटन प्रखंड के तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) मनोज कुमार तिवारी पर विभागीय दिशा-निर्देशों की अनदेखी करते हुए निर्धारित सीमा से कहीं अधिक पशु शेड योजनाओं को स्वीकृति देने का आरोप सिद्ध हुआ। आरोप है कि 22 ग्राम पंचायतों में से 19 पंचायतों में प्रति पंचायत निर्धारित पांच पशु शेड की सीमा के विपरीत कुल 401 पशु शेड स्वीकृत किए गए। इस दौरान मनरेगा योजनाओं के संचालन में निर्धारित जिम्मेदारियों के निर्वहन में लापरवाही और अनुशासनहीनता बरतने से सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचा।

विभागीय जांच के दौरान मनोज कुमार तिवारी ने अपने बचाव में कार्रवाई को पूर्वाग्रह से प्रेरित बताया, लेकिन सरकार ने उनके तर्कों को स्वीकार नहीं किया। इसके बाद झारखंड सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2016 के तहत उन्हें 'निंदन' का दंड दिया गया है।

वहीं, झारखंड प्रशासनिक सेवा के संयुक्त सचिव राधेश्याम प्रसाद को लंबे समय से चल रहे सरकारी राशि के दुरुपयोग और अनियमितता के मामले में बड़ी राहत मिली है। फेनहारा थाना कांड संख्या 29/05 से जुड़े इस मामले में मोतिहारी की अदालत ने 20 दिसंबर 2023 को साक्ष्यों के अभाव में उन्हें दोषमुक्त कर दिया था। अदालत के फैसले के विरुद्ध अभियोजन पक्ष द्वारा कोई अपील दायर नहीं किए जाने के बाद झारखंड सरकार ने भी इस प्रकरण की फाइल बंद (संचिकास्त) करने का आदेश जारी कर दिया है।

इस प्रकार एक ओर विभागीय अनियमितता के मामले में एक अधिकारी पर कार्रवाई हुई है, जबकि दूसरी ओर न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद दूसरे अधिकारी को सरकार की ओर से भी औपचारिक रूप से क्लीन चिट मिल गई है।

ऊना में भीषण अग्निकांड, खाना बनाते वक्त उठी चिंगारी ने राख की 29 झुग्गियां

ऊना: जिला मुख्यालय के साथ लगते गांव लाल सिंघी में शनिवार सुबह भीषण अग्निकांड में 29 झुग्गियां जलकर राख हो गईं। आग में झुग्गियों में रखा घरेलू सामान भी पूरी तरह नष्ट हो गया है। गनीमत रही कि इस हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह खाना बनाते समय निकली चिंगारी ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और आग तेजी से आसपास की झुग्गियों तक फैल गई।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने अग्निशमन विभाग को सूचना दी। सूचना पर अग्निशमन अधिकारी सुरेश कुमार के नेतृत्व में टीम तीन दमकल वाहनों के साथ मौके पर पहुंची। आग की गंभीरता को देखते हुए कुल सात दमकल वाहनों की सहायता से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया गया।

भारत आएंगे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो ने की पुष्टि

वॉशिंगटन : भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक और व्यापारिक रिश्ते एक नए सुनहरे दौर में प्रवेश करने जा रहे हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले साल की शुरूआत में भारत का दौरा करेंगे। रुबियो ने साफ किया कि वह खुद इस ऐतिहासिक वीवीआईपी दौरे की तैयारियों को अंतिम रूप देने और दोनों देशों के बीच बहुप्रतीक्षित ट्रेड डील (व्यापार समझौते) को जल्द से जल्द फाइनल करने के लिए भारत आ रहे हैं।

इस दौरे को लेकर रुबियो ने कहा कि पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच के करीबी निजी रिश्ते दोनों देशों के मजबूत संबंधों की सबसे बड़ी बुनियाद हैं। दोनों नेता एक जैसा सोचते हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि वे खुद पीएम मोदी के बड़े प्रशंसक हैं, क्योंकि उनके नेतृत्व में भारत एक ग्लोबल पावर (वैश्विक ताकत) बनकर उभरा है। दोनों देशों के बीच की यह साझेदारी आने वाले समय में असीमित संभावनाओं को छूने वाली है।

सोमवार से खत्म होगी मॉर्निंग कोर्ट व्यवस्था

29 जून से सुबह 10:30 से शाम 5 बजे तक होगा काम

रांची: झारखंड में ढ़ती गर्मी को देखते हुए लागू की गई मॉर्निंग कोर्ट व्यवस्था आ समाप्त होने जा रही है। राज्य के सभी सिविल कोर्ट में सोमवार, 29 जून 2026 से पुनः डे सिटिंग कोर्ट के अनुसार न्यायिक कार्य होंगे। इस सांध में हाईकोर्ट के निर्देश पर कार्यालय आदेश जारी कर दिया गया है।

जारी आदेश के अनुसार, 29 जून से सभी सिविल कोर्ट के कार्यालय सुाह 10:30 ाजे से शाम 5:00 ाजे तक संचालित होंगे। इसी समयावधि में न्यायिक कार्यवाही भी संपन्न होगी। इससे पहशे गर्मी के कारण 6 अप्रैल 2026 से राज्यभर के सिविल कोर्ट में मॉर्निंग कोर्ट की व्यवस्था लागू की गई थी।

सिविल कोर्ट नियमावली के तहत न्यायिक अधिकारियों को दोपहर लगभग 1:30 ाजे आधे घंटे या उससे कम समय के शिए अवकाश लेने की अनुमति रहेगी। मॉर्निंग कोर्ट व्यवस्था समाप्त होने के बाद सभी अदालतें फिर से सामान्य समय-सारिणी के अनुसार कार्य करेंगी।

इस बदलाव से अधिवक्ताओं, वादकारियों और न्यायालय कर्मियों को नियमित डे-शिफ्ट के अनुसार कार्य करने में सुविधा मिलेगी। 29 जून से राज्य के सभी सिविल कोर्टों में नई समय-सारिणी प्रभावी हो जाएगी।

शिक्षक नियुक्ति परीक्षा 2016 मामला

सरकार ने फैक्टफाइडिंग कमीशन को सौंपा अभियर्थियों का विस्तृत डाटा

मेट्रो रेज

रांची: शनिवार को वन मैन फैक्ट फाइंडिंग कमेटी के अध्यक्ष जस्टिस गौतम कुमार चौधरी ने शिक्षक नियुक्ति से जुड़े (स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2016) मामले की ऑनलाइन सुनवाई की। इस दौरान फैक्ट फाइंडिंग कमीशन को सरकार द्वारा नियुक्त अभ्यर्थियों से संबंधित विस्तृत डाटा की साफ्ट कॉपी उपलब्ध करायी गयी। जिसपर कमीशन ने याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता से सरकार के डाटा पर 1 अगस्त तक आपत्तियां मांगी हैं।

इससे पहले कमीशन ने कहा कि संपूर्ण डाटा याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता को उपलब्ध कराया जाए। अगली सुनवाई 1 अगस्त को होगी। पिछली सुनवाई को कमीशन ने कहा था कि सरकार ने अभ्यार्थियों की नियुक्ति से संबंधित विवरण को अलग-अलग दिए जाने की बजाय संयुक्त रूप से एक साथ करके दिया है, इसे अलग-अलग रूप में दिया जाए। कमीशन ने राज्य सरकार को नियुक्ति सभी अभ्यर्थियों का रिजल्ट सब्जेक्ट वाइज और कैटेगिरी वाइज प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था।

टेंडर प्रक्रिया में पक्षपात का आरोप

सीबीआई के अनुसार, याचिकाकर्ता मेकॉन में वरिष्ठ प्रबंधक रहते हुए झील इंडिया केमिकल्स और शिव मशीन टूल्स के साथ आपराधिक साजिश में शामिल था। आरोप है कि उसने तकनीकी मूल्यांकन और टेंडर प्रक्रिया में पक्षपात कर दोनों कंपनियों को लाभ पहुंचाया और बदले में अपने, रिश्तेदारों और परिचितों के बैंक खातों के जरिये लगभग 1.42 करोड़ रुपए की राशि प्राप्त की।

वित्तीय अनियमितता का मामला

मेकॉन के पूर्व वरिष्ठ प्रबंधक की जमानत याचिका खारिज

मेट्रो रेज

रांची : झारखंड हाईकोर्ट ने मेकॉन के पूर्व वरिष्ठ प्रबंधक उपेन्द्र नाथ मंडल की नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि जांच के दौरान सामने आए तथ्य और बैंक खातों में हुए भारी-भरकम वित्तीय लेनदेन का संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दिया गया। अदालत ने प्रथम दृष्टया माना कि याचिकाकर्ता ने टेंडर आवंटन के दौरान निर्धारित मानकों की अनदेखी कर दो निजी कंपनियों को अनुचित लाभ पहुंचाया। जिससे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय परियोजनाएं भी प्रभावित होते हुए प्रतीत होती हैं। न्यायाधीश अनुभा रावत चौधरी की एकलपीठ ने यह आदेश सीबीआई के आरसी केस संख्या 08(अ)/2017-फ में पारित किया। मामला भारतीय दंड संहिता की धारा 120-बी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत दर्ज है।

समाचार सार

मोहर्रम जुलूस देखकर लौट रहे युवकों मे विवाद के बाद मारपीट, एक गंभीर

चतराः सिमरिया थाना क्षेत्र के कर्बला के समीप शुक्रवार की देर शाम मोहर्रम का जुलूस देखकर लौट रहे फतहा गांव निवासी बिट्टू अंसारी पर कुछ युवकों ने मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। जिससे उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। प्राथमिक उपचार के बाद बिट्टू को हजारीबाग रेफर कर दिया गया है। बताया जाता है कि बन्हे गांव के कुछ युवक बाइक चला रहे थे, इसी दौरान बाइक बिट्टू अंसारी मे टच कर गया। इसपर बिट्टू अंसारी ने उन्हें धीरे चलने की बात कही। जिसपर विवाद बढ़ गया, और लाठी-डंडों से बेरहमी से उसकी पिटाई कर दी गई। हमले में बिट्टू अंसारी का सिर गंभीर रूप से फट गया है। घायल बिट्टू की मां रजिया खातून ने थाना मे लिखित आवेदन दिया है जिसमे सिमरिया थाना क्षेत्र के बनहे गांव निवासी अल्फाज अंसारी, सेराज अंसारी व बन्हे टीम पर मार पीट का आरोप लगाया गया है। उन्होंने आवेदन में आरोपियों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग की है। इस मामले मे थाना मे मामला दर्ज कर पुलिस जांच मे जुटी है।

गुमला में रिकॉर्ड रूम की हालत खराब खतरे में लाखों लोगों के जमीन दस्तावेज

गुमला : जिले के लाखों लोगों की जमीन-जायदाद से जुड़े महत्वपूर्ण सरकारी दस्तावेज इन दिनों असुरक्षा और अव्यवस्था के बीच पड़े हुए हैं। कचहरी परिसर स्थित रिकॉर्ड रूम की बदहाल स्थिति प्रशासनिक लापरवाही की एक बड़ी तस्वीर पेश कर रही है। वर्षों पुराने समाहरणालय भवन में संचालित रिकॉर्ड रूम न केवल जर्जर अवस्था में है। बल्कि यहां रखे गए महत्वपूर्ण अभिलेखों की सुरक्षा पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थिति ऐसी है कि जमीन से संबंधित कई महत्वपूर्ण पंजी, रजिस्टर और अभिलेख व्यवस्थित अलमारियों में सुरक्षित रखने के बजाय जमीन पर बिखरे पड़े हैं। भवन की दीवारें और छत जर्जर हो चुकी हैं। बरसात के मौसम में नमी और रिसाव से दस्तावेजों के खराब होने का खतरा लगातार बना रहता है।

दस्तावेजों की सुरक्षा भगवान भरोसेः रिकॉर्ड रूम में रखे गये अभिलेख केवल कागज के बंडल नहीं हैं। बल्कि हजारों परिवारों की जमीन के स्वामित्व और अधिकारों का आधार हैं। किसी भी भूमि विवाद, दाखिल-खारिज, नकल निर्गत करने या पुराने अभिलेखों की जांच के लिए इन्हीं दस्तावेजों पर निर्भर रहना पड़ता है। इसके बावजूद इनके संरक्षण को लेकर गंभीरता नहीं दिखायी जा रही है। झारखंड आंदोलनकारी अजीत विश्वकर्मा का कहना है कि जिला प्रशासन के पास कई सरकारी भवन खाली पड़े हुए हैं। लेकिन रिकॉर्ड रूम को सुरक्षित भवन में स्थानांतरित करने की दिशा में अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गयी है।

टूटी खिड़कियां बढ़ा रहीं खतराः रिकॉर्ड रूम के बाहर लगी वह खिड़की, जहां से जमीन संबंधी नकल निर्गत करने का कार्य किया जाता है। यह लंबे समय से टूटी हुई है। यह केवल सुरक्षा में सेंध नहीं, बल्कि संभावित हादसे का खुला निमंत्रण भी है। समाज सेवी महेंद्र उरांव व गोविंदा टोप्पो का कहना है कि यदि किसी असामाजिक तत्व ने टूटी खिड़की के रास्ते ज्वलनशील पदार्थ अंदर फेंक दिया, तो वर्षों पुराने अभिलेख चंद मिनटों में राख में बदल सकते हैं। ऐसी स्थिति में जमीन संबंधी हजारों रिकॉर्ड हमेशा के लिए नष्ट हो सकते हैं। जिससे प्रशासन और आम जनता दोनों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

अधिकारियों को जानकारी, फिर भी कार्रवाई नहींः स्थानीय अधिवक्ताओं, दस्तावेज लेखकों और आम लोगों का कहना है कि रिकॉर्ड रूम की स्थिति से जिले के कई अधिकारी भलीभांति अवगत हैं। समय-समय पर इसकी चर्चा भी होती रही है। लेकिन हालात सुधारने के लिए अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि क्या प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। यदि किसी दुर्घटना, आगजनी या भवन दुर्घटना में महत्वपूर्ण अभिलेख नष्ट हो गए, तो उसकी भरपाई संभव नहीं होगी।

खूंटी में आम की बंपर पैदावार, फिर भी किसानों को नहीं मिल रहा सही दाम

खूंटीः जिले के रनिया प्रखंड के सौदे, जयपुर, लोहागढ़, मरचा, रनिया सहित आसपास के गांवों के जंगलों में इस वर्ष आम की बंपर पैदावार हुई है। पेड़ों पर लदे रसीले आमों ने ग्रामीणों के चेहरों पर खुशी तो ला दी है, लेकिन बाजार में उचित कीमत नहीं मिलने से यह खुशी अधूरी नजर आ रही है। प्रतिदिन सुबह-सुबह दूरदराज जंगल क्षेत्र गांवों से महिलाएं, पुरुष और बच्चे सिर पर टोकरी और साइकिलों में आम लेकर रनिया ब्लॉक चौक पहुंचते हैं। दिनभर बाजार में आम की खरीद-बिक्री होती है, लेकिन खरीदारों की कमी के कारण किसानों को अपनी उपज औने-पौने दाम पर बेचनी पड़ रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि जंगलों में इन दिनों हाथियों का आतंक चरम पर है। इसके बावजूद वे रात तीन-चार बजे ही जान जोखिम में डालकर आम चुनने निकल जाते हैं, जिससे सुबह बाजार पहुंचकर आम बेच सकें। कठिन मेहनत और जोखिम उठाने के बाद भी उन्हें उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है।

प्रशासन ने किसानों से की संगठित बिक्री की अपील : इस संबंध में प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रशांत डांग ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि स्थानीय उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखें और संगठित होकर आम की बिक्री करें। उन्होंने कहा कि प्रशासन किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने और उनकी आय बढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयास करेगा। साथ ही उन्होंने किसानों से जंगलों में हाथियों की गतिविधियों को देखते हुए पूरी सतर्कता बरतने और किसी भी प्रकार का जोखिम नहीं उठाने की सलाह दी। ग्रामीणों का मानना है कि यदि स्थानीय स्तर पर आम की खरीद और विपणन की बेहतर व्यवस्था हो जाए तो जंगलों की यह प्राकृतिक संपदा किसानों की आर्थिक स्थिति को और मजबूत कर सकती है।

मुहर्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न

मुरी : मुरी सिल्ली में मुहर्रम धूमधाम और शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई। सुलूमजुडी,कलुवाडीड,बडा मुरी के मुस्लिम समुदाय के लोग गोला रोड भिखारी चौक पर एक जगह होकर धार्मिक जुलूस निकाला गया जो बडा मुरी होते हुए छोटा मुरी जामा मस्जिद पहुचा। जहां अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन किया गया। शांति बनाए रखने के लिए प्रशासन हर चौक - चौराहे पर मुस्तैद रही।

सामान लदा ट्रक पलटा, तीन गंभीर , रिम्स रेफर

खूंटीः खूंटी-रांची मुख्य मार्ग पर शनिवार सुबह तजना नदी पुल के समीप एक सड़क दुर्घटना में फेवर ब्लॉक बनाने का सामान लदा ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित एक मकान की बाउंड्री वॉल को तोड़ते हुए पलट गया। हादसे में ट्रक पर सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को स्थानीय लोगों और पुलिस की सहायता से सदर अस्पताल, खूंटी पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रांची स्थित रिम्स रेफर कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ट्रक टाटीसिल्वे से फेवर ब्लॉक बनाने का सामान लेकर खूंटी की ओर आ रहा था। सुबह करीब तजना नदी पुल के समीप सामने से आ रही एक कार को बचाने के प्रयास में चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। इसके बाद ट्रक सड़क किनारे स्थित एक मकान की बाउंड्री वॉल को तोड़ते हुए पलट गया। हादसे में घायल ट्रक सवार प्रकाश कुमार ने बताया कि वह अपने साथी निवारण और रासबिहारी के साथ टाटीसिल्वे से खूंटी के लिए सामान लेकर आ रहे थे। तजना नदी पुल के समीप अचानक सामने आई कार को बचाने के प्रयास में ट्रक अनियंत्रित हो गया और दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

लखनऊ हादसे के बाद रांची के कोचिंग सेंटरों पर उठे सवाल,नियमों की अनदेखी का लग रहा आरोप

संवाददाता

रांचीः लखनऊ में हुए दर्दनाक कोचिंग हादसे के बाद देशभर में कोचिंग संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। इस घटना में कई छात्रों की मौत के बाद अभिभावकों और आम लोगों के बीच चिंता बढ़ गई है। झारखंड की राजधानी रांची सहित हजारीबाग, जमशेदपुर और धनबाद में संचालित कई कोचिंग संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

रांची में बड़ी संख्या में संचालित हो रहे कोचिंग संस्थानः रांची के लालपुर, कांटाटोली, सिरमटोली, सर्कुलर रोड और आसपास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में कोचिंग संस्थान संचालित हो रहे हैं। इनमें पढ़ने के लिए झारखंड के अलावा बिहार समेत अन्य राज्यों से भी छात्र आते हैं। आरोप है कि कई संस्थान संकरी गलियों और बहुमंजिला इमारतों में बिना पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम के संचालित हो रहे हैं।

इमरजेंसी एग्जिट और फायर सेफ्टी को लेकर सवालः स्थानीय लोगों और अभिभावकों का कहना है कि अधिकांश इमारतों में आपातकालीन निकास (इमरजेंसी एग्जिट) की व्यवस्था नहीं है। कई जगहों पर क्षमता से अधिक छात्रों को एक ही कक्ष में बैठाया जाता है, जिससे किसी आपदा की स्थिति में भगदड़ और जनहानि का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा पर्याप्त वेंटिलेशन, अग्निशमन यंत्र और फायर सेफ्टी मानकों की भी कमी देखने को मिलती है।

सुरक्षा मानकों के अनुपालन की उठी मांगः विशेषज्ञों का मानना है कि लगातार बढ़ते कोचिंग व्यवसाय के बीच सुरक्षा मानकों की नियमित जांच और सख्त अनुपालन आवश्यक है। उनका कहना है कि छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर निरीक्षण और मानकों की समीक्षा की जानी चाहिए।

अभिभावकों ने की सुरक्षा ऑडिट की मांगः अभिभावकों की मांग है कि प्रशासन सभी कोचिंग संस्थानों का व्यापक सुरक्षा ऑडिट कराए और नियमों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों पर सख्त कार्रवाई करे। उनका कहना है कि छात्रों की जान से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाना चाहिए।

डायन-बिसाही का आरोप लगाकर महिला के साथ मारपीट

दोनों पक्षों ने हंटरगंज थाना में दिया आवेदन

चतराः जिले के हंटरगंज प्रखंड के मीरपुर गांव में डायन-बिसाही का आरोप लगाकर एक महिला के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता बिंदिया देवी ने इस संबंध में हंटरगंज थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। बिंदिया देवी मीरपुर गांव निवासी नरेश यादव की पत्नी हैं। थाना में दिए गए आवेदन में बिंदिया देवी ने बताया कि उनके जेठ हरिवंश यादव लंबे समय से बीमार चल रहे हैं। आरोप है कि इसी बीमारी को लेकर उनके परिवार के कुछ सदस्य उन्हें डायन-बिसाही से जोड़कर प्रताड़ित करते हैं। पीड़िता के अनुसार, उनकी जेठानी मुनिया देवी तथा उनके पुत्र अखिलेश यादव, रामबली कुमार और सागर कुमार अक्सर इस बात को लेकर गाली-गलौज करते रहते हैं।बिंदिया देवी ने बताया कि बुधवार की देर शाम वह खेत की ओर गोबर फेंकने गई थीं। इसी दौरान वहां पहुंचे अखिलेश यादव ने उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोप है कि उसने अपने पिता की बीमारी के लिए बिंदिया देवी को जिम्मेदार ठहराते हुए उन पर डायन-बिसाही करने का आरोप लगाया। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और अन्य आरोपी भी मौके पर पहुंच गए। पीड़िता का आरोप है कि आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की और उन्हें उठाकर जमीन पर पटक दिया। इस घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गईं और कुछ समय के लिए बेहोश हो गईं। महिला के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कर उन्हें आरोपियों से बचाया। घटना के बाद परिजनों ने घायल बिंदिया देवी को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां उनका इलाज कराया गया। उपचार के बाद पीड़िता ने हंटरगंज थाना पहुंचकर पूरे मामले की लिखित शिकायत दी और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। पीड़िता का कहना है कि डायन-बिसाही जैसे अंधविश्वास के नाम पर उन्हें लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से सुरक्षा देने और आरोपियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। मामले में पुलिस आवेदन के आधार पर जांच में जुट गई है। थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों से आवेदन प्राप्त हुआ छानबीन की जा रही है, छानबीन के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हंटरगंज में मोहर्रम के जुलूस में दिखी भाईचारे की मिसाल

हिंदू-मुस्लिम ने मिलकर बांटा शरबत और जूस

चतराः हंटरगंज प्रखंड मुख्यालय एवं नावाडीह,मीरपुर,दन्तार आदि दर्जनों गांवों में मोहर्रम का जुलूस पूरे धार्मिक उत्साह और शांतिपूर्ण माहौल में निकाला गया। जुलूस में हजारों अकीदतमंदों के साथ विभिन्न समुदायों के लोगों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पूरे आयोजन के दौरान हिंदू और मुस्लिम समाज के लोग कंधे से कंधा मिलाकर एकता, सौहार्द और गंगा-जमुनी तहजीब की खूबसूरत मिसाल पेश करते नजर आए। इसी कड़ी में दन्तार जुलूस के दौरान युवा समाजसेवी संजीत ठाकुर के नेतृत्व में मुकेश मिश्रा, निरंजन मिश्रा, धीरज कुमार, सोनू कुमार एवं अन्य सहयोगियों ने सेवा शिविर लगाकर जुलूस में शामिल लोगों को ठंडा पानी और जूस वितरित किया। गर्म मौसम में इस सेवा कार्य ने लोगों का दिल जीत लिया और सभी ने इस पहल की सराहना की।वहीं साईं ट्रस्ट के

अध्यक्ष शिवदत्त प्रसाद एवं उनके सहयोगियों ने भी अलग सेवा शिविर लगाकर श्रद्धालुओं और जुलूस में शामिल लोगों के बीच शरबत का वितरण किया। उन्होंने सामाजिक समरसता और आपसी प्रेम का संदेश देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं।इस अवसर पर मुस्लिम समाज के लोगों ने दोनों सेवा शिविरों के आयोजकों का दिल से आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मोहर्रम कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद शहजाद अंसारी तथा युवा साथी मोहम्मद इरफान अंसारी की अहम भूमिका रही। उन्होंने युवाओं को भाईचारे और सामाजिक एकता का संदेश देते हुए आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।दन्तार का यह आयोजन एक बार फिर यह साबित कर गया कि जब समाज आपसी प्रेम, सम्मान और सहयोग की भावना से आगे बढ़ता है, तब धार्मिक आयोजन केवल परंपरा नहीं बल्कि सामाजिक सद्भाव का उत्सव बन जाते हैं।

बंद माइंस के पानी भरे गड्ढे में संदिग्ध स्थिति में मिला महिला का शव, शिनाख्त नहीं

चतराः हंटरगंज थाना क्षेत्र के जजलो बाजार के समीप बंद माइंस के पानी भरे गड्ढे में शुक्रवार की अहले सुबह एक महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई है। शव की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। सूचना मिलने के बाद हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी।पुलिस द्वारा आसपास के लोगों से शव की पहचान कराने का प्रयास किया गया, लेकिन अभी तक महिला की शिनाख्त नहीं हो पाई। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए हजारीबाग भेज दिया है। पुलिस महिला की मौत के कारणों की जांच में जुटी हुई है।हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने आम लोगों से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति की महिला परिजन लापता हैं या शव के संबंध में कोई जानकारी हो, तो तत्काल हंटरगंज थाना से संपर्क करें। थाना प्रभारी ने बताया कि शव की पहचान के लिए आसपास के थाना क्षेत्रों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी सूचना दी जा रही है। पहचान होने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मोहर्रम पर निकला भव्य मातमी जुलूस

प्रवेश चौहान खलारी

खलारी : शहीद हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों की याद में शुक्रवार को खलारी में भव्य मातमी जुलूस निकाला गया । सेंट्रल मोहर्रम कमेटी की ओर से पारंपरिक शस्त्र एवं लाठी खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्घाटन अंचलअधिकारी प्रणव अम्बष्ट, थाना प्रभारी राजकूमार वर्मा,जिला परिषद सदस्य सरस्वती देवी,मुखिया तेजी किस्पोट्टा तथा चिकित्सा पदाधिकारी डा इरशाद व अन्य अतिथियों ने फीता काटकर एवं लाठी भांजकर किया। इससे पूर्व अतिथियों का बैज लगाकर और साफा पहनाकर स्वागत किया गया। प्रतियोगिता में क्षेत्र के विभिन्न अखाड़ों के लोग अपने-अपने निशानों के साथ बैंक चैक पहुंचे,

अखाड़ों के खलीफाओं ने अपनी-अपनी टीमों के साथ तलवार बाजी और लाठी के पारंपरिक खेल का रोमांचक प्रदर्शन किया। संचालक की शायरी, नारों, ताशाऔर लाउड स्पीकर की धनों ने खिलाड़ियों में उत्साह का संचार किया। उपस्थित लोगों ने खिलाड़ियों की फुर्ती, अनुशासन और पारंपरिक युद्धकला की सराहना की। प्रतियोगिता का विशेष आकर्षण किशोरियों द्वारा खेल प्रदर्शन रहा। वहीं जेहलीटांड़ से आया एक मात्र ताजिया भी लोगों आकर्षण का केंद्र बना रहा। ताजिया पर महिलाओं ने सिरनी फातिहा कराई और अमन-चैन की दुआ मांगी। प्रतियोगिता में हटाप मोड, छापरटोला, भूतनगर,मस्जिद मोहल्ला, जेहलीटांड़, जीटाइप और खलारी बाजारटांड़ आदि की टीमों ने भाग लिया। सभी प्रतिभागी टीमों को सेंट्रल मोहर्रम कमेटी की ओर से पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। वहीं बैंक चैक पर लगे मेले में पारंपरिक मिठाइयोंऔर अन्य दुरकानों पर दिनभर लोगोंकी भीड़ उमड़ी रही। कार्यक्रम का संचालन कमेटी के सचिव इम्तियाजअंसारी ने तथा खेल का संचालन परवेज आलम ने किया। इस अवसर पर डीएसपी खलारी रामनारायण चौधरी व अन्य उपस्थित थे।

रांची समेत पूरे राज्य में अकीदत के साथ मनाया गया मुहर्रम, शांतिपूर्ण माहौल में निकले ताजिया -जुलूस

इमाम हुसैन की शहादत को किया गया याद, कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न हुए धार्मिक आयोजन

मेट्रो रेज

रांची: राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न शहरों और ग्रामीण इलाकों में यौम-ए-आशूरा (मुहर्रम) के अवसर पर मुस्लिम समुदाय द्वारा पारंपरिक ताजिया जुलूस पूरे धार्मिक उत्साह, अकीदत और शांतिपूर्ण माहौल में निकाला गया। इमाम हुसैन और कर्बला के शहीदों की याद में आयोजित इन जुलूसों में बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए।

राजधानी रांची, जमशेदपुर, धनबाद, बोकारो, हजारीबाग सहित राज्य के विभिन्न जिलों में इमामबाड़ों से अलम और ताजिया निकालकर निर्धारित मार्गों से होते हुए कर्बला तक ले जाए गए। जुलूस के दौरान या हुसैन की सदाएं गूंजती रहीं और अकीदतमंदों ने कर्बला की कुर्बानी को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

रांची के डोरंडा, हिंदपीढ़ी, मेन रोड, लोअर बाजार और आसपास के क्षेत्रों में भी विभिन्न संगठनों एवं सेन्ट्रल मुहर्रम कमेटि के नेतृत्व में ताजिया जुलूस निकाले गए। जगह-जगह लोगों ने जुलूस का स्वागत किया तथा शर्बत और पेयजल की व्यवस्था की गई।

यौम-ए-आशूरा के अवसर पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। संवेदनशील इलाकों में ड्रोन कैमरों से निगरानी की गई, जबकि क्विक रिएक्शन टीम दंडाधिकारी और भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। प्रशासनिक अधिकारियों ने लगातार विभिन्न जुलूस मार्गों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था पर नजर बनाए रखी। पूरे राज्य में मुहर्रम के जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए। प्रशासन, मुहर्रम कमेटियों और स्थानीय नागरिकों के आपसी सहयोग से धार्मिक आयोजन सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न होने पर लोगों ने संतोष व्यक्त किया। इमाम हुसैन की कुर्बानी, इंसाफ, सत्य और मानवता के संदेश को याद करते हुए अकीदतमंदों ने अमन और भाईचारे की दुआ की।

चार महीने से वेतन नहीं मिलने का आरोप

एएसआई ने पत्नी की मौत के लिए सार्जेंट मेजर को जिम्मेदार ठहराया

मेट्रो रेज

रांची/चाईबासा: झारखंड पुलिस में पदस्थापित एएसआई महेंद्र रजक ने चाईबासा में तैनात सार्जेंट मेजर मंशू गोप और एएसआई मनोज कुमार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। वर्तमान में चाईबासा जिले में पदस्थापित महेंद्र रजक का आरोप है कि चार महीने तक वेतन नहीं मिलने और अवकाश नहीं दिए जाने के कारण उनकी पत्नी का समय पर इलाज नहीं हो सका, जिससे उनकी मृत्यु हो गई।

महेंद्र रजक के अनुसार, पत्नी के इलाज के लिए उन्होंने सार्जेंट मेजर मंशू गोप से अवकाश की मांग की थी, लेकिन आवेदन के बावजूद छुट्टी नहीं दी गई। बाद में पुलिस अधीक्षक (एसपी) को आवेदन देने के बाद उन्हें अवकाश मिला और वे पत्नी का इलाज कराने जा सके।

एएसआई का आरोप है कि आर्थिक तंगी के कारण वह पत्नी का समुचित इलाज नहीं करा सके। उन्होंने कहा कि वे कई बार लेखा शाखा प्रभारी और सार्जेंट मेजर से वेतन भुगतान का अनुरोध करते रहे, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। उनका दावा है कि पैसों के अभाव में उनकी पत्नी की मृत्यु हो गई, जिसके लिए वे सार्जेंट मेजर मंशू गोप और एएसआई मनोज कुमार को जिम्मेदार मानते हैं।

महेंद्र रजक ने यह भी आरोप लगाया कि सार्जेंट मेजर मंशू गोप ने उन्हें कई बार मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। बिना किसी वरिष्ठ अधिकारी के आदेश के उनके सामान और वर्दी की जांच की गई, कार्यालय में बुलाकर गाली-गलौज की गई तथा जातिसूचक शब्दों का भी प्रयोग किया गया। उन्होंने इन आरोपों की शिकायत पुलिस एसोसिएशन, पुलिस महानिरीक्षक (आईजी), पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) कोल्हान, पुलिस अधीक्षक चाईबासा सहित कई अधिकारियों से की है। उनका कहना है कि अब तक इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

इसके अलावा, महेंद्र रजक ने बताया कि उन्होंने पत्नी के इलाज के लिए पुलिस एसोसिएशन, चाईबासा के जिला कल्याण कोष से एक लाख रुपये ऋण स्वरूप सहायता की मांग की थी, लेकिन उनका आवेदन अस्वीकार कर दिया गया। वहीं, झारखंड पुलिस एसोसिएशन के अध्यक्ष राहुल मुर्मू ने बताया कि मामले की जानकारी उन्हें मिली है और पूरे प्रकरण पर रिपोर्ट तलब की गई है।

दूसरी ओर, सार्जेंट मेजर मंशू गोप ने अपने ऊपर लगाए गए गाली-गलौज और प्रताड़ना के आरोपों को बेबुनियाद बताया है। उनका कहना है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और जांच के बाद ही सच्चाई सामने आएगी।

झारखंड के दो बड़े गैंगस्टरों में बढ़ी दरार, राहुल सिंह ने प्रिंस खान को सोशल मीडिया पर दी खुली धमकी

मेट्रो रेज

रांची : झारखंड के दो कुख्यात गैंगस्टरों के बीच टकराव खुलकर सामने आ गया है। विदेश में रहकर झारखंड के कारोबारियों से रंगदारी मांगने वाले दो अपराधी गिरोहों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा अब गैंगवार की आशंका पैदा कर रही है। सोशल मीडिया पर अपराधी राहुल सिंह ने प्रिंस खान को खुलेआम जान से मारने की धमकी दी है।

राहुल सिंह ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट करते हुए लिखा कि, प्रिंस खान तैयार रहो, मेरा देश, मेरा काम और मेरे लोगों से उलझने का नतीजा जल्द मिलेगा। तुम दुनिया के जिस कोने में रहोगे, वहीं मारेंगे। दूसरों के परिवार की चिंता करने से पहले अपनी फैमिली को सुरक्षित कर लो। जल्द ही तुम्हारा हिसाब होगा।

धमकी भरे पोस्ट में राहुल सिंह ने धनबाद का भी जिक्र करते हुए लिखा कि, प्रिंस खान होश में रहना, धनबाद से मारते-मारते पाकिस्तान पहुंच जाएंगे।

इस पोस्ट के सामने आने के बाद झारखंड के अपराध जगत में हलचल तेज हो गई है। माना जा रहा है कि दोनों गैंगों के बीच तनाव और बढ़ सकता है। हालांकि, इस धमकी पर अब तक पुलिस या संबंधित एजेंसियों की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। सोशल मीडिया पर वायरल इस पोस्ट के बाद सुरक्षा एजेंसियां पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए हैं।

इस्लाहुल इराकीन चुनाव

सचिव पद के उम्मीदवार मोहम्मद अब्दुल्लाह शर्फ ने जारी किया विजन, घड़ी छाप पर वोट देने की अपील

गुलाम शाहिद

रांची: इस्लाहुल इराकीन/कलाल इराकी के आगामी चुनाव को लेकर सचिव पद के उम्मीदवार मोहम्मद अब्दुल्लाह शर्फ ने अपने चुनावी घोषणा-पत्र के माध्यम से संस्था के विकास और पारदर्शी कार्यप्रणाली का संकल्प व्यक्त किया है। चुनाव में उनका क्रमांक 1 तथा चुनाव चिन्ह घड़ी है। मोहम्मद अब्दुल्लाह शर्फ ने मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि उनका उद्देश्य संस्था को अधिक मजबूत, पारदर्शी और समाजसेवा के लिए समर्पित बनाना है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि यदि उन्हें सचिव पद की जिम्मेदारी मिलती है तो संस्था के प्रत्येक कार्य को ईमानदारी, जिम्मेदारी और समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। अपने घोषणा-पत्र में उन्होंने उलेमा-ए-किराम के सम्मान और उनके मार्गदर्शन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने, कमेटी हॉल में नमाजगाह की व्यवस्था सुनिश्चित करने, संस्था की आय-व्यय का पारदर्शी लेखा-जोखा समय-समय पर आम लोगों के समक्ष प्रस्तुत करने तथा युवाओं को संस्था के विकास कार्यों में सक्रिय भागीदारी देने का वादा किया है।

इसके अलावा उन्होंने संस्था में भाईचारे और अच्छे संस्कारों को बढ़ावा देने, जरूरतमंद लोगों की सहायता एवं समाजसेवा के कार्यों को विस्तार देने तथा कमेटी हॉल के अधूरे कार्यों को शीघ्र पूरा कराने की भी प्रतिबद्धता जताई है।

मोहम्मद अब्दुल्लाह शर्फ ने कहा कि संस्था की तरक्की और समाज की बेहतरी के लिए सभी सदस्यों का सहयोग आवश्यक है। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे घड़ी छाप पर अपना बहुमूल्य वोट देकर संस्था के विकास के इस अभियान को सफल बनाएं।

हैदरनगर में फूटा बिजली विभाग के खिलाफ जनाक्रोश, चौकड़ी सब स्टेशन का घेराव

मेट्रो रेज

हैदरनगर/ पलामू: हैदरनगर बाजार क्षेत्र में एलटी केबल के बार-बार जलने और सड़क पर गिरने की घटनाओं से आक्रोशित ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने शनिवार को चौकड़ी विद्युत सब स्टेशन का घेराव किया। प्रदर्शन का नेतृत्व हैदरनगर पूर्वी पंचायत के मुखिया संतोष कुमार सिंह, प्रेमतोष सिंह तथा पंचायत समिति सदस्य गुप्तेश्वर पांडेय ने किया। घेराव के दौरान बड़ी संख्या में मौजूद लोगों ने बिजली विभाग के अभियंताओं के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि लगातार हो रही घटनाओं के बावजूद विभाग समस्या के स्थायी समाधान के प्रति गंभीर नहीं है। उनका कहना था कि बाजार क्षेत्र में कई बार एलटी केबल जलकर सड़क पर गिर चुका है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है, लेकिन विभाग केवल अस्थायी मरम्मत कर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेता है। प्रदर्शनकारियों ने चौकड़ी बिजली सब स्टेशन पर तत्काल सहायक अभियंता को बुलाने की मांग की और कहा कि जब तक जिम्मेदार अधिकारी मौके पर आकर स्पष्ट आश्वासन नहीं देंगे, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। इस दौरान लोगों ने बिजली नहीं तो बिल नहीं, लापरवाह अभियंता होश में आओ और जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करो जैसे नारे लगाकर विभाग के प्रति अपना आक्रोश व्यक्त किया। जनप्रतिनिधियों ने चेतावनी दी कि यदि जर्जर एलटी केबलों को शीघ्र नहीं बदला गया और विद्युत व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। उनका कहना था कि जनता की जान जोखिम में डालने वाली लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। फिलहाल चौकड़ी ग्रिड परिसर में प्रदर्शन जारी है और प्रदर्शनकारी विभागीय अधिकारियों के मौके पर पहुंचकर वार्ता करने का इंतजार कर रहे हैं।

इरबा ओयना रोड विवाद पर सियासत तेज, जेएलकेएम नेता शाकिर अंसारी का विधायक राजेश कच्छप पर पलटवार

मेट्रो रेज

रांची : 'रोड नहीं तो वोट नहीं' अभियान के बीच जमीन दलाल वाले बयान पर दिया करारा जवाब, सड़क निर्माण को लेकर जनता के साथ खड़े रहने का दावा

रांची। इरबा- ओयना रोड की जर्जर स्थिति को लेकर शुरू हुआ आंदोलन अब राजनीतिक रंग ले चुका है। 'रोड नहीं तो वोट नहीं' अभियान के बीच विधायक राजेश कच्छप द्वारा दिए गए कथित जमीन दलाल वाले बयान पर जेकेएलएम नेता शाकिर अंसारी ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए पलटवार किया है।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में शाकिर अंसारी ने कहा कि इरबा-ओयना रोड की बदहाल स्थिति वर्षों से क्षेत्र की जनता के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। सड़क की मांग पूरी तरह जनहित का मुद्दा है और इसे किसी राजनीतिक चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता के हक की आवाज उठाने वालों को अपमानित करना लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। शाकिर अंसारी ने विधायक के बयान पर आपत्ति जताते हुए कहा कि यदि सड़क की मांग करना या जनता की आवाज उठाना किसी की नजर में गलत है, तो वह इस लड़ाई को और मजबूती से आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने विधायक को खुली चुनौती देते हुए कहा कि वे जनता के बीच आकर सड़क निर्माण और क्षेत्र के विकास के मुद्दे पर खुली बहस करें।

उन्होंने कहा कि रोड नहीं तो वोट नहीं किसी राजनीतिक दल का नारा नहीं, बल्कि क्षेत्र की जनता की पीड़ा और वर्षों की उपेक्षा का प्रतीक है। सड़क निर्माण होने तक आंदोलन जारी रहेगा और जनसमर्थन के साथ लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष किया जाएगा। शाकिर अंसारी ने प्रशासन और सरकार से इरबा-ओयना रोड का शीघ्र निर्माण शुरू कराने की मांग करते हुए कहा कि विकास के मुद्दे पर राजनीति करने के बजाय जनहित में ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने क्षेत्रवासियों से एकजुट होकर सड़क निर्माण की लड़ाई में साथ देने की अपील भी की।

मुहर्रम के अंतिम दिन जरूरतमंदों के बीच भोजन, कपड़े, शरबत व पानी का वितरण

मेट्रो रेज

रांची: मुहर्रम के अंतिम दिन भारतीय एकता कमेटी की ओर से जरूरतमंद लोगों के बीच भोजन के पैकेट, कपड़े, शरबत और पानी का वितरण किया गया। इस अवसर पर कमेटी के संस्थापक अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा ने कहा कि मोहर्रम हजरत हसन और हजरत हुसैन (रज़ि.) की शहादत की याद में मनाया जाता है। उन्होंने लोगों से रोजा रखने, गरीबों, बीमारों और जरूरतमंदों की मदद करने तथा अधिक से अधिक नेक कार्य करने की अपील की। उन्होंने कहा कि मुहर्रम के दिन किए गए अच्छे कार्यों का विशेष सवाब मिलता है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने सेवा कार्यों में भाग लेकर जरूरतमंदों की सहायता की।

दस माइल चौक में 'आशीर्वाद अमृतुल्य' का भव्य उद्घाटन

मेट्रो रेज

रांची: रांची-खूंटी मार्ग पर स्थित दस माइल चौक (गुन्दु) में एक नई दुकान 'आशीर्वाद अमृतुल्य' का भव्य उद्घाटन किया गया। इस नए प्रतिष्ठान का उद्घाटन कांग्रेस नेता सह प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता जफर इमाम,शाहिद अंसारी और खुर्शीद आलम ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।

इस अवसर पर अतिथियों ने दुकान के संचालक को नए व्यवसाय के शुभारंभ पर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

दुकान के संचालक तालिब अंसारी ने इस अवसर पर खुशी जाहिर करते हुए बताया कि 'आशीर्वाद अमृतुल्य' में ग्राहकों की पसंद और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने जानकारी दी कि इस प्रतिष्ठान में आम लोगों और यात्रियों के लिए बेहतरीन स्वाद वाली चाय और ताजा जूस, शुद्ध दूध और दही, विभिन्न प्रकार के बेकरी बिस्किट और स्वादिष्ट आइसक्रीम इत्यादि उचित मूल्य पर उपलब्ध होंगी। रांची-खूंटी जैसे व्यस्त मार्ग पर इस तरह की सर्वसुविधायुक्त दुकान के खुलने से न केवल स्थानीय लोगों को बल्कि इस रास्ते से गुजरने वाले मुसाफिरों को भी काफी सहूलियत मिलेगी। उद्घाटन समारोह में कई स्थानीय लोग भी उपस्थित थे, जिन्होंने नए प्रतिष्ठान के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

आपातकाल को याद करेंगे, तो इन चेहरों को कैसे भूलेंगे

26 और 27 जून, 1975 को दिल्ली विश्वविद्यालय से 186 लोग गिरफ्तार किए गए थे, जिनमें से सवा सौ के करीब अध्यापक थे, बाकी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ए.बी.वी.पी.) के सदस्य छात्र थे। गुजरात और बिहार का आंदोलन वास्तव में विद्यार्थी परिषद ने ही शुरू किया था। इन दोनों ही आंदोलनों में विद्यार्थी परिषद के रामबहादुर राय की अहम भूमिका थी। बाद में बिहार के आंदोलन में उनके साथ गोविंदाचार्य ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसलिए सबसे ज्यादा कहर देश भर में विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं पर ही टूटा था। देशभर में विद्यार्थी परिषद के दस हजार से ज्यादा कार्यकर्ता गिरफ्तार किए गए थे। मेरे साथ फिरोजपुर जेल में बंद रहे तीनों प्रोफेसर स्वदेश नंदा, बी.एल. रिणवा और प्रीतम लाल चावला भी विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारी थे। कांग्रेस बेहद खफा थी, क्योंकि दिल्ली विश्वविद्यालय में कम्युनिस्टों और कांग्रेसियों का कब्जा खत्म करके 1971 से ही अध्यक्ष पद पर विद्यार्थी परिषद का उम्मीदवार जीतने लगा था और दिल्ली का संदेश सारे देश में जाता ही है। देशभर के विश्वविद्यालयों में विद्यार्थी परिषद की तूती बोलने लगी थी, इसलिए विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय महासचिव राजकुमार भाटिया, दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ के सचिव हेमंत बिश्नोई, ए.बी.वी.पी. के नेता मदन भाटिया, रजत शर्मा और दिल्ली विश्वविद्यालय अध्यापक संघ के अध्यक्ष ओ.पी. कोहली की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने बहुत ही अमानवीय अत्याचार किए थे।

1971 में जब ओ.पी. कोहली दिल्ली प्रदेश ए.बी.वी.पी. के अध्यक्ष थे, तब पहली बार कांग्रेस के छात्र संगठन एन.एस.यू.आई. को हराकर ए.बी.वी.पी. के भगवान सिंह दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ का चुनाव जीते थे, जबकि उससे पहले कम्युनिस्टों और कांग्रेसियों का ही कब्जा रहता था। 1972 में जब प्रभु चावला ए.बी.वी.पी. की दिल्ली प्रदेश इकाई के अध्यक्ष और बलबीर पुंज सचिव थे, तब ए.बी.वी.पी. के श्रीराम खन्ना एन.एस.यू.आई. के उम्मीदवार को हराकर डूसू के अध्यक्ष पद का चुनाव जीते। दिल्ली विश्वविद्यालय की एक हड़ताल से क्रोधित उपकुलपति स्वरूप सिंह (बाद में लोकदल के राज्यसभा सदस्य रहे) ने जब छात्रसंघ के सारे पदाधिकारियों को निलंबित कर दिया था तो विद्यार्थी परिषद ने डी.यू. के इतिहास की सबसे लंबी 75 दिन तक की हड़ताल की थी। इसका नतीजा यह निकला कि 1973 में दिल्ली विश्वविद्यालय अध्यापक संघ (डूटा) का चुनाव भी विद्यार्थी परिषद के पूर्व अध्यक्ष ओ.पी. कोहली जीत गए (जो बाद में राज्यसभा सदस्य और राज्यपाल भी रहे), उस साल डूसू के अध्यक्ष पद का चुनाव ए.बी.वी.पी. के आलोक कुमार (जो दिल्ली विधानसभा के स्पीकर बने और अभी 2025 में विश्व हिंदू परिषद् के अध्यक्ष हैं) और 1974 में अरुण जेटली डूसू अध्यक्ष पद का चुनाव जीते थे जो बाद में केंद्रीय मंत्री और भाजपा के महासचिव रहे। बिहार आंदोलन अपने चरम पर था और उस वर्ष विद्यार्थी परिषद के अरुण जेटली अध्यक्ष और हेमंत बिश्नोई सचिव चुने गए थे। हेमंत बिश्नोई उस समय रोहतक में चल रहे एक महीने के संघ शिविर में थे, 14 जून को उन्हें एक परीक्षा में बैठना था, इसलिए वह एक दिन के लिए दिल्ली आए और उसी शाम को वापस रोहतक चले गए, संघ शिविर 30 जून तक चलना था, लेकिन 25 जून रात को आपातकाल लगने के बाद पुलिस ने उसे 28 जून को ही बंद करवा दिया था। इस बीच दिल्ली पुलिस ने अरुण जेटली के घर पर छापा मारा था, वह घर पर नहीं थे तो पुलिस उनके पिता महाराज किशन जेटली को गिरफ्तार करके ले जाने लगी, जोकि वकील थे। अगले दिन अरुण जेटली ने दिल्ली विश्वविद्यालय में जोरदार प्रदर्शन करके अपनी गिरफ्तारी दी थी। ओ.पी. कोहली भी गिरफ्तार कर लिये गए थे। कोहली और राजकुमार भाटिया को बहुत यातनाएं दी गईं। राजकुमार भाटिया को 36 घंटे तक खड़ा रखा गया, पीटा गया और गंदी-गंदी गालियां निकाली गईं। कोहली पोलियो पीड़ित थे, उनकी एक टांग काम नहीं करती थी, वह लंगड़ाकर चलते थे। उन्हें 24 घंटे तक खड़ा रखा गया। पिटाई करते समय वह गिर जाते थे, तो उन्हें फिर से खड़ा करके पिटाई की जाती थी। उन्हें उर्दू में लिखे एक बयान पर दस्तखत करने के लिए कहा गया, लेकिन वह उर्दू जानते नहीं थे, इसलिए उन्होंने दस्तखत नहीं किए। उनकी पिटाई लगातार जारी रही, लेकिन उनकी किस्मत शायद कुछ अच्छी थी कि तभी उनका मीसा का वारंट आ गया और उन्हें तिहाड़ जेल भेज दिया गया। डूटा के अध्यक्ष ओ.पी. कोहली जब जेल चले गए तो दिल्ली विश्वविद्यालय ने उनका वेतन रोक दिया, पत्नी के लिए घर चलाना मुश्किल हो गया। जेल से कोहली ने दिल्ली विश्वविद्यालय कवर करने वाले 'इंडियन एक्सप्रेस' के रिपोर्टर मित्र देवसागर सिंह को पत्र लिखा कि वह उपकुलपति से मिलकर उनकी मदद करें। लेकिन वह पत्र देवसागर सिंह को कभी नहीं मिला, जबकि आई.बी. के एक अफसर ने उन्हें बताया था कि ओ.पी. कोहली ने जेल से उन्हें एक पत्र लिखा है, वह जरा बचकर रहे हैं। देवसागर सिंह ने मुझे बताया कि आपातकाल के बाद जब उन्होंने ओ.पी. कोहली से पूछा तो उन्होंने इस बात की पुष्टि की कि उन्होंने जेल से उन्हें पत्र लिखा था। डूसू के महासचिव हेमंत बिश्नोई रोहतक से लौटकर अपने घर नहीं गए थे, वह विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं से संपर्क साधने में जुट गए और एक ऐसे मित्र के घर ठहरे थे, जो विद्यार्थी परिषद में सक्रिय नहीं था। वह विद्यार्थी परिषद के अखिल भारतीय उपाध्यक्ष ओम प्रकाश कोहली और सचिव राजकुमार भाटिया से संपर्क साधने में सफल हो गए। कोहली, भाटिया और बिश्नोई ने आगे की रणनीति पर विचार किया और देश भर में विद्यार्थी परिषद के सदस्यों से संपर्क बनाने के लिए दरियागंज में एक गुप्त कार्यालय खोल लिया, जिसमें फोन भी लगा हुआ था। वही फोन बाद में मुसीबत का कारण भी बना। 10 जुलाई की रात को पुलिस ने दरियागंज के कार्यालय पर छापा मारकर राजकुमार भाटिया और दो अन्य कार्यकताओं को गिरफ्तार कर लिया। उसके बाद पुलिस का एक अधिकारी वहीं फोन पर बैठ गया। सबसे पहले नानाजी देशमुख के यहां से एक फोन आया, लेकिन बातचीत में आशंका पैदा हुई तो नानाजी देशमुख ने तुरंत अपना स्थान बदल लिया, अन्यथा वह भी उसी दिन गिरफ्तार कर लिये जाते। उस दिन जिस-जिस ने भी कार्यालय में फोन किया या जो-जो भी वहां पहुंचा, उसे गिरफ्तार कर लिया गया। हेमंत बिश्नोई ने भी फोन किया था, लेकिन वह पहचान गया था कि फोन उठाने वाला अपरिचित है, इसलिए वह कार्यालय गए ही नहीं। हेमंत बिश्नोई जगह बदल-बदलकर रहते थे, कहीं भी दो रातें एक जगह पर नहीं बिताईं। लेकिन उनका संपर्क और भूमिगत आंदोलन प्रचार का काम आगे बढ़ता रहा। इस बात का ध्यान रखा जाता था कि किसी को भी भूमिगत आंदोलन की पूरी जानकारी न हो, ताकि अगर कोई पकड़ा जाए तो उसके पास पुलिस को देने के लिए ज्यादा जानकारी हो ही नहीं। 16 जुलाई से विश्वविद्यालय की छुट्टियां खत्म हो रही थीं, कॉलेज खुलते ही बड़ा आंदोलन शुरू होने की आशंका को देखते हुए पुलिस ने 13-14-15 जुलाई की रात को विद्यार्थी परिषद और दिल्ली विश्वविद्यालय प्राध्यापक संघ से जुड़े 50 के करीब छात्रों और प्राध्यापकों को उनके घरों पर छापा मारकर गिरफ्तार कर लिया। एक अध्यापक गणेश शंकर पालीवाल अपने घर पर पौधों को पानी दे रहे थे, पुलिस आई और उन्हें गिरफ्तार करके ले गई। उनकी पत्नी अपने किसी रिश्तेदार को मिलने गई थी, घर में दो छोटे बच्चे थे। बच्चों ने जब देखा कि उनके पिता कहीं नहीं दिख रहे तो वे रोने लगे। उनके रोने की आवाज सुनकर पड़ोसी वहां पहुंचे, लेकिन किसी को नहीं पता था कि पालीवाल अचानक कहां गायब हो गए? इस तरह के सैकड़ों और उदाहरण हैं, जो पूरे देश से बाद में सुनने को मिले।

वेनेजुएला का भूकंप: मानवीय त्रासदी और आपदा तैयारी की वैश्विक चेतावनी

> भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाएँ केवल भू-गर्भीय घटनाएं नहीं होतीं; वे किसी राष्ट्र की तैयारी, शासन-व्यवस्था, सामाजिक संरचना और मानवीय संवेदनशीलता की भी परीक्षा होती हैं। मलबे में दबे लोगों की पुकार, अपने परिजनों को खोजते परिवार, अस्पतालों में उपचार की प्रतीक्षा करते घायल, राहत शिविरों में अस्थायी जीवन और भय के साये में बीतती रातें यह बताती हैं कि आपदा का वास्तविक दर्द आँकड़ों से कहीं अधिक गहरा होता है।

डॉ. प्रियंका सौरभ

प्रकृति जब अपना रौद्र रूप दिखाती है, तब वह मनुष्य की तकनीकी उपलब्धियों, आर्थिक प्रगति और प्रशासनिक दावों की वास्तविक परीक्षा लेती है। वेनेजुएला में आए शक्तिशाली भूकंप ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया कि कुछ ही क्षणों में वर्षों की मेहनत, सपने और सुरक्षित जीवन का भ्रम मलबे में बदल सकता है। धरती के कुछ सेकंड के कंपन ने न केवल इमारतों को गिराया, बल्कि हजारों परिवारों की उम्मीदों, आजीविका और भविष्य को भी गहरे संकट में डाल दिया। भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाएँ केवल भू-गर्भीय घटनाएं नहीं होतीं; वे किसी राष्ट्र की तैयारी, शासन-व्यवस्था, सामाजिक संरचना और मानवीय संवेदनशीलता की भी परीक्षा होती हैं। मलबे में दबे लोगों की पुकार, अपने परिजनों को खोजते परिवार, अस्पतालों में उपचार की प्रतीक्षा करते घायल, राहत शिविरों में अस्थायी जीवन और भय के साये में बीतती रातें यह बताती हैं कि आपदा का वास्तविक दर्द आँकड़ों से कहीं अधिक गहरा होता है। वेनेजुएला पहले से ही आर्थिक चुनौतियों, संसाधनों की कमी और प्रशासनिक दबावों का सामना कर रहा है। ऐसे समय में आई यह प्राकृतिक आपदा केवल भौतिक विनाश तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं, संचार व्यवस्था, परिवहन, बिजली, पेयजल और राहत प्रणाली पर भी अतिरिक्त बोझ डालती है। यही कारण है कि किसी भी आपदा का प्रभाव उस समाज में अधिक व्यापक होता है, जहाँ बुनियादी ढाँचा पहले से ही कमजोर हो।

सबसे बड़ी विडंबना यह है कि आपदाएं सभी लोगों को समान रूप से प्रभावित नहीं करतीं। सुरक्षित और मजबूत भवनों में रहने वाले लोग अपेक्षाकृत कम नुकसान झेलते हैं, जबकि कमजोर निर्माण, अनियोजित बस्तियाँ और सीमित संसाधनों वाले परिवार सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। गरीब, श्रमिक, महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग और दिव्यांग नागरिक आपदा की सबसे बड़ी कीमत चुकाते हैं। इसलिए प्राकृतिक आपदा धीरे-धीरे सामाजिक और आर्थिक असमानता का भी चेहरा बन जाती है।

यहीं से शहरी नियोजन का महत्व सामने आता है। यदि शहरों का विकास वैज्ञानिक मानकों के अनुरूप हो, भवनों का निर्माण भूकंप-रोधी तकनीक से किया जाए, खुले सुरक्षित स्थान उपलब्ध हों, आपातकालीन निकासी मार्ग विकसित किए जाएँ और अस्पतालों को आपदा-तैयार बनाया जाए, तो जान-माल की हानि को काफी हद तक कम किया जा सकता है। दुर्भाग्य से अनेक देशों में भवन निर्माण नियमों की अनदेखी, अवैध निर्माण और कमजोर निगरानी ऐसी त्रासदियों को और भयावह बना देते हैं।

भूकंप के बाद के शुरूआती 72 घंटे सबसे महत्वपूर्ण माने जाते हैं। यही वह समय होता है जब मलबे में दबे लोगों को जीवित निकालने की संभावना सबसे अधिक रहती है। इसलिए राहत एवं बचाव कार्यों की गति, समन्वय और दक्षता ही अनेक लोगों के जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर तय करती है। बचाव दल, चिकित्सक, अग्निशमन कर्मी, सेना, स्थानीय प्रशासन और स्वयंसेवी संगठन इस कठिन समय में आशा की सबसे बड़ी किरण बनते हैं। राहत कार्य केवल भोजन और दवाइयां पहुंचाने तक सीमित नहीं होते। अस्थायी आवास, स्वच्छ पेयजल, स्वच्छता व्यवस्था, मानसिक स्वास्थ्य सहायता, बच्चों की सुरक्षा, महिलाओं की आवश्यकताओं तथा संचार सेवाओं की बहाली भी समान रूप से आवश्यक होती है। किसी भी आपदा का वास्तविक पुनर्वास तभी संभव होता है जब प्रभावित लोगों को केवल जीवित रहने का सहारा ही नहीं, बल्कि सम्मानपूर्वक जीवन फिर से शुरू करने का अवसर भी मिले। ऐसी त्रासदी शासन की विश्वसनीयता की भी परीक्षा लेती है। जनता यह देखती है कि संकट की घड़ी में सरकार कितनी शीघ्र, पारदर्शी और प्रभावी ढंग से कार्य करती है। स्पष्ट सूचना, त्वरित निर्णय, संसाधनों का समुचित वितरण और प्रशासनिक समन्वय लोगों का विश्वास बनाए रखते हैं। इसके विपरीत, यदि शुरूआती घंटों में भ्रम, विलंब या सूचना का अभाव हो, तो संकट और अधिक गहरा जाता है। आज आपदा-प्रबंधन केवल राहत कार्यों तक सीमित अवधारणा नहीं रह गया है। आधुनिक दृष्टिकोण इस बात पर बल देता है कि आपदा आने से पहले तैयारी सबसे बड़ा बचाव है। विद्यालयों, कार्यालयों, अस्पतालों और सार्वजनिक संस्थानों में नियमित मॉक ड्रिल, प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण, स्थानीय स्वयंसेवी नेटवर्क, समय पर चेतावनी प्रणाली और जन-जागरुकता कार्यक्रम हजारों लोगों का जीवन बचा सकते हैं। नागरिकों को यह जानकारी होना कि भूकंप के समय क्या करना है और क्या नहीं करना है, किसी भी तकनीकी व्यवस्था जितना ही महत्वपूर्ण है।

इस त्रासदी का एक वैश्विक पक्ष भी है। प्राकृतिक आपदाएं राष्ट्रीय सीमाएं नहीं देखतीं। जब किसी देश की क्षमता सीमित पड़ जाती है, तब अंतरराष्ट्रीय सहयोग मानवता का सबसे मजबूत आधार बनता है। राहत सामग्री, चिकित्सा दल, खोज एवं बचाव विशेषज्ञ, तकनीकी सहायता, अस्थायी आश्रय और पुनर्निर्माण सहयोग जैसे प्रयास वैश्विक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करते हैं। यह वह समय होता है जब राजनीति से अधिक मानवता की आवश्यकता होती है। जलवायु परिवर्तन और तीव्र शहरीकरण के इस दौर में दुनिया के अधिकांश देश किसी न किसी प्रकार की प्राकृतिक आपदा के जोखिम का सामना कर रहे हैं। भूकंप को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उसके विनाशकारी प्रभाव को निश्चित रूप से कम किया जा सकता है। इसके लिए वैज्ञानिक अनुसंधान, मजबूत अधोसंरचना, कठोर भवन मानक, सतत शहरी नियोजन और प्रभावी आपदा-प्रबंधन प्रणाली आवश्यक है। वेनेजुएला की यह त्रासदी विश्व समुदाय के लिए एक गंभीर चेतावनी भी है। हमें यह समझना होगा कि सुरक्षित समाज केवल आर्थिक विकास से नहीं बनते, बल्कि दूरदर्शी नीतियों, मजबूत संस्थाओं, वैज्ञानिक सोच और नागरिक सहभागिता से निर्मित होते हैं। विकास तभी सार्थक है जब वह संकट की घड़ी में लोगों के जीवन की रक्षा कर सके। अंततः, किसी भी भूकंप की सबसे बड़ी सीख यही है कि प्रकृति के सामने मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति उसका विज्ञान, उसका संगठन और उसकी संवेदना है। राहत, पुनर्वास, सुरक्षित निर्माण, आपदा-तैयारी और सामाजिक एकजुटता—ये पांच स्तंभ भविष्य की त्रासदियों को कम करने की दिशा में सबसे प्रभावी उपाय हैं। वेनेजुएला की पीड़ा केवल एक देश की पीड़ा नहीं है। यह पूरी मानवता के लिए चेतावनी है कि आपदाएं अचानक आती हैं, लेकिन उनसे होने वाली क्षति हमारी तैयारी तय करती है। इसलिए आवश्यक है कि हम हर त्रासदी को केवल समाचार बनाकर न छोड़ दें, बल्कि उसे भविष्य को सुरक्षित बनाने की प्रेरणा में बदलें। यही इस दुखद घटना के प्रति सच्ची संवेदना और सबसे सार्थक श्रद्धांजलि होगी।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

अमेरिकी खेल-प्रौद्योगिकी तंत्र: नवप्रवर्तन से नए अवसर

> अमेरिकी विदेश मंत्रालय के स्पीकर प्रोग्राम के अंतर्गत, स्टील ने हाल ही में दिल्ली, चंडीगढ़ और मुंबई का दौरा किया, जहां उन्होंने चर्चा की कि खेल-प्रौद्योगिकी तंत्र किस प्रकार नवप्रवर्तन, निवेश और विकास के अवसर पैदा करता है। उनका संदेश था कि अमेरिकी मॉडल की शक्ति किसी एक प्रौद्योगिकी में नहीं, बल्कि उसके विशाल बाजार और उन साझेदारियों में निहित है जो नवप्रवर्तनों को उपयोगकताओं तक पहुंचाने में मदद करती हैं।

चार्वी अरोड़ा,

हर तेज दौड़, अधिक सुरक्षित रिकवरी और आखिरी समय में स्मार्ट खेल निर्णय के पीछे प्रौद्योगिकियों का एक बढ़ता हुआ नेटवर्क है, जो खेल उद्योग को नया रूप दे रहा है। फिर भी केवल प्रौद्योगिकी से यह नहीं समझ सकते कि खेल नवप्रवर्तन के क्षेत्र में अमेरिका एक अग्रणी बाजार क्यों बन गया है। टेक्सास के फ्रिस्को स्थित प्लग एंड प्ले टेक सेंटर में स्पोर्ट्सटेक वर्टिकल के निदेशक डेविड स्टील के अनुसार, अमेरिका की बढ़त उन संबंधों में निहित है जो उसने टीमों, स्टार्ट-अप, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं, निवेशकों और वैश्विक ब्रांडों के बीच स्थापित किए हैं। ये संबंध नए आइडिया को परीक्षण और पायलट कार्यक्रमों से आगे बढ़ाकर व्यावसायिक उत्पादों और व्यवसायों में बदलने में मदद करते हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के स्पीकर प्रोग्राम के अंतर्गत, स्टील ने हाल ही में दिल्ली, चंडीगढ़ और मुंबई का दौरा किया, जहां उन्होंने चर्चा की कि खेल-प्रौद्योगिकी तंत्र किस प्रकार नवप्रवर्तन, निवेश और विकास के अवसर पैदा करता है। उनका संदेश था कि अमेरिकी मॉडल की शक्ति किसी एक प्रौद्योगिकी में नहीं, बल्कि उसके विशाल बाजार और उन साझेदारियों में निहित है जो नवप्रवर्तनों को उपयोगकताओं तक पहुंचाने में मदद करती हैं। स्टील के लिए अमेरिकी खेल-प्रौद्योगिकी तंत्र की सबसे बड़ी ताकतों में से एक उसका विशाल बाजार है। वह कहते हैं, "जब आप पूरे अमेरिकी बाजार को देखते हैं, तो उसका आकार और दायरा अत्यंत विशाल है। जब आप युवा खेलों, जिन्हें हम जमीनी स्तर के खेल मानते हैं और जिनमें तीन से चार करोड़ बच्चे शामिल हैं, से लेकर हमारे पेशेवर और उच्चस्तरीय नामी खिलाड़ियों तक देखते हैं, तो यह एक अत्यंत व्यापक परिदृश्य है।" यह व्यापकता कंपनियों को खेलों में भागीदारी और प्रतिस्पर्धा के विभिन्न स्तरों के खिलाड़ियों के लिए उत्पाद विकसित करने के अवसर प्रदान करती है। कुछ कंपनियां नामी खिलाड़ियों से शुरूआत करती हैं और बाद में अपनी प्रौद्योगिकियों को व्यापक बाजारों के लिए अनुकूलित करती हैं। अन्य कंपनियां जमीनी स्तर से शुरूआत कर धीरे-धीरे ऊपर की ओर विस्तार करती हैं। इसका परिणाम एक ऐसा विशाल परीक्षण वातावरण है, जहां विभिन्न खेलों और प्रतिस्पर्धा के स्तरों पर प्रौद्योगिकियों को परिष्कृत किया जा सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसी प्रौद्योगिकियां खेल संगठनों को इस पैमाने का लाभ उठाने में मदद कर रही हैं। टीमें, कोच और खेल संचालन निकाय प्रतिभा की पहचान करने, प्रदर्शन का विश्लेषण करने और खिलाड़ियों के विकास में सहायता के लिए एआई-सक्षम प्रणालियों का बढ़ते हुए उपयोग कर रहे हैं। स्टील अमेरिकी सॉकर जैसे संगठनों के प्रयासों का भी उल्लेख करते हैं, जो मैदान पर लगाए गए कैमरों और अभ्यास, मैचों तथा मैच के बाद किए गए प्रदर्शन विश्लेषण से प्राप्त आंकड़ों के माध्यम से खिलाड़ियों की प्रतिभा की शुरूआती पहचान और विकास पर काम कर रहे हैं।

ये प्रणालियां संगठनों को पारंपरिक स्काउटिंग तरीकों की तुलना में कहीं अधिक बड़े पैमाने पर खिलाड़ियों का मूल्यांकन करने की अनुमति देती हैं।

स्टील का कहना है कि साझेदारियां ही प्रौद्योगिकियों को बाजार तक पहुंचाने में मदद करती हैं। प्लग एंड प्ले में यह प्रक्रिया टीमों, ब्रांडों और अन्य संगठनों के सामने मौजूद चुनौतियों की पहचान से शुरू होती है। दुनिया भर में फैले अपने 70 कार्यालयों के नेटवर्क का उपयोग करते हुए प्लग एंड प्ले संगठनों को उन स्टार्ट-अप से जोड़ता है जो प्रासंगिक समाधान विकसित कर रहे हैं। स्टील बताते हैं कि इस प्रक्रिया में विशिष्ट चुनौतियों की पहचान करना, एक संरचित समीक्षा प्रक्रिया के माध्यम से संभावित समाधानों का मूल्यांकन करना और चयनित कंपनियों को पायलट परियोजनाओं के लिए संगठनों से जोड़ना शामिल है। सफल पायलट परियोजनाएं प्रौद्योगिकियों की उपयोगिता को प्रमाणित कर सकती हैं, जिससे व्यावसायीकरण, निवेश और व्यापक बाजार स्वीकृति के द्वार खुलते हैं। खेल संगठनों के लिए निवेश आकर्षित करने वाली अनेक प्रौद्योगिकियां खिलाड़ी स्वास्थ्य, प्रदर्शन और रिकवरी पर केंद्रित हैं। इनमें खेल मैदान की सतहों, सुरक्षात्मक उपकरणों, हाइड्रेशन प्रणालियों, पहनने योग्य निगरानी उपकरणों और प्रशिक्षण तथा प्रतिस्पर्धा के दौरान प्रदर्शन को ट्रैक करने वाले उपकरणों से जुड़े नवप्रवर्तन शामिल हैं। गेटोरेड स्पोर्ट्स साइंस और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं जैसे संगठनों के साथ साझेदारियां भी कंपनियों को नई प्रौद्योगिकियों के विकास और सत्यापन में मदद करती हैं। स्टील बताते हैं, " गेटोरेड स्पोर्ट्स साइंस जैसे ब्रांडों के साथ काम करके हम समझते हैं कि खिलाड़ियों के लिए हाइड्रेशन और रिकवरी कितनी महत्वपूर्ण है। वहीं टेक्सास की बेयलर स्कॉट एंड व्हाइट हेल्थ जैसी स्वास्थ्य प्रणालियों के साथ काम करके हम यह समझ सकते हैं कि यदि कोई चोट लगती है तो मैदान में वापसी की प्रक्रिया क्या होगी और कौन-सी स्टार्ट-अप प्रौद्योगिकियां तेज समयसीमा में सफल वापसी की संभावना बढ़ाने में मदद कर सकती हैं।" उभरती कंपनियों के लिए पुष्टि करना उतना ही महत्वपूर्ण हो सकता है जितना नवप्रवर्तन। स्टील बताते हैं कि प्रमुख खेल संगठनों और वैश्विक ब्रांडों के साथ साझेदारियां यह प्रदर्शित करने में मदद करती हैं कि प्रौद्योगिकियां वास्तविक और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी प्रभावी ढंग से काम कर सकती हैं। यह विश्वसनीयता प्रौद्योगिकी को अपनाने की गति बढ़ा सकती है, निवेश आकर्षित कर सकती है और कंपनियों को केवल जमीनी स्तर की वृद्धि की तुलना में कहीं अधिक तेजी से विस्तार करने में मदद कर सकती है। वह कहते हैं, "एक बार जब आप फॉर्च्यून 1000 या फॉर्च्यून 500 कंपनियों की उस बाधा को पार कर लेते हैं, तो किसी स्टार्ट-अप प्रौद्योगिकी की विस्तार क्षमता अत्यधिक बढ़ जाती है।" स्टील का मानना है कि वही कारक जिसने अमेरिकी खेल-प्रौद्योगिकी बाजार को आगे बढ़ाया है, वही पैमाना भारत के लिए भी महत्वपूर्ण अवसर पैदा करता है। अमेरिका की तरह भारत भी नई प्रौद्योगिकियों के लिए एक विशाल संभावित उपयोगकर्ता आधार प्रदान करता है, जिससे कंपनियों को खेल के विभिन्न स्तरों पर समाधानों का परीक्षण, परिष्करण और विस्तार करने के अवसर मिलते हैं। वह कहते हैं, "अभी जो सबसे बड़े रुझान मैं देख रहा हूं, वे एआई जनरेशन से जुड़े हैं और ऐसी हर चीज से जुड़े हैं जो प्रशंसकों की भागीदारी या खिलाड़ियों के प्रदर्शन को बेहतर बनाती है।" भारत में स्टील इन अवसरों को देश के विशाल और अत्यंत सक्रिय खेल दर्शक वर्ग से जुड़ा हुआ देखते हैं। वह क्रिकेट को भारत में खेल नवप्रवर्तन के लिए एक विशेष रूप से महत्वपूर्ण अवसर मानते हैं क्योंकि इसका पैमाना, दर्शकों की भागीदारी और व्यावसायिक पहुंच अत्यंत व्यापक है। एथलीट स्वास्थ्य एक और क्षेत्र है जिसमें बड़ी संभावनाएं मौजूद हैं, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहां अत्यधिक गर्मी पड़ती है।

जीवन में बार-बार आ रही इन परेशानियां को न करें नजरअंदाज?

प्राचीन ग्रंथों में अनेक ऐसी बातें उजागर की गई हैं, जो व्यावहारिक रूप से मनुष्य को समय रहते आने वाले संकट की ओर इशारा करती हैं, जिनको पहचान कर व्यक्ति सही निर्णय लेकर समय रहते गृहस्थी को मुसीबतों से बचा जा सकता है। जानिए, ऐसी ही पांच बातें। समस्या समझ आने पर उसका निराकरण ज्योतिष, वास्तु एवं अध्यात्मिक उपायों द्वारा किया जा सकता है।

प्राचीन ग्रंथों में अनेक ऐसी बातें उजागर की गई हैं, जो व्यावहारिक रूप से मनुष्य को समय रहते आने वाले संकट की ओर इशारा करती हैं, जिनको पहचान कर व्यक्ति सही निर्णय लेकर समय रहते गृहस्थी को मुसीबतों से बचा जा सकता है। जानिए, ऐसी ही पांच बातें।

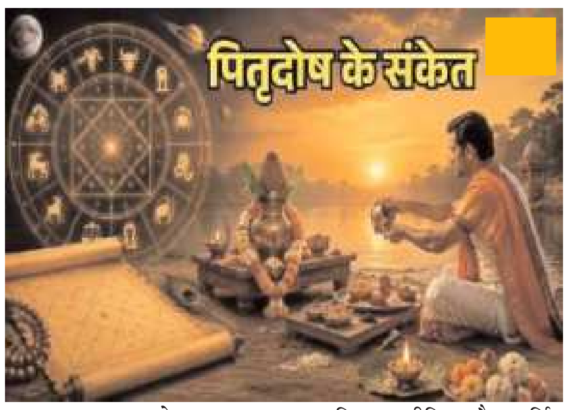

समस्या समझ आने पर उसका निराकरण ज्योतिष, वास्तु एवं अध्यात्मिक उपायों द्वारा किया जा सकता है। संतान - संतान के द्वारा दुःखी करने वाले कार्य, विपरीत आचरण, खराब व्यवहार और अपवित्र चरित्र से परिवार लज्जित होता है और संकट में पड़ जाता है।

रोग - बार-बार बीमारी का प्रकोप परिवार के हर सदस्य को मानसिक, शारीरिक और आर्थिक रूप से बुरा असर डालता है।

धन का अभाव - घर या परिवार के सदस्यों में किसी भी रूप से गलत आचरण, अपवित्रता आदि दरिद्रता के संकेत है, जिससे परिवार विपतियों में पड़ सकता है।

अपयश - परिवार और व्यक्ति की प्रतिष्ठा और मान-सम्मान एक-दूसरे से जुड़े होते हैं, इसलिए किसी भी व्यक्ति के गलत आचरण, चरित्र से लगा कलंक पूरे परिवार को बिखेर सकता है।

अगर ये संकेत, विपरीत स्वभाव का जीवनसाथी, आज्ञा न मानने वाली संतान, रोग की निरन्तरता, धन अभाव की पीड़ा, मान, प्रतिष्ठा पर प्रश्नचिन्ह लग जाए, तो समझ लीजिए, या तो आपके उपर पितृ आदि दोष है, अथवा जिस मकान में आप रह रहे हैं, उसमें गम्भीर वास्तुदोष या फिर किसी का श्राप, बद्दुआ का असर है। आहार शुद्धि ही तन, मन, व्यवहार और विचार को पवित्र बनाता है। किंतु घर में अशुद्ध, मांसाहार भोजन की अपवित्रता भी परेशानियों का कारण बन सकती है। शीघ्र ही वजन के बराबर अन्न आदि का दान किसी जानकार के सानिध्य में करें और इन मुसीबतों से छुटकारा पाऐं।

टिप्स

रोजाना एक समय पर होने वाला सिरदर्द ना करें इग्नोर

हर दिन एक ही समय पर सिरदर्द होना कई लोगों के लिए चिंता का कारण बन सकता है। अक्सर लोग इसे सामान्य थकान या तनाव समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन कई मामलों में यह शरीर की जैविक घड़ी (उर्पूल्लि फँ८ईं), माइग्रेन, क्लस्टर हेडेक, नींद की कमी, तनाव, भोजन के समय में बदलाव या हार्मोनल उतार-चढ़ाव का संकेत हो सकता है। शरीर के कुछ हार्मोन और न्यूरोकेमिकल्स दिन के निश्चित समय पर बदलते हैं, जिससे सिरदर्द की संभावना बढ़ सकती है।

सिरदर्द की समस्या हर किसी व्यक्ति को किसी-न-किसी समय होती ही है। काम की बढ़ती टेंशन, थकान और कई दवाओं के प्रभाव के चलते लोगों को सिरदर्द की समस्या महसूस होती है। सिरदर्द होना एक सामान्य समस्या है लेकिन यदि यह हर रोज एक ही समय पर होने लगे तो यह किसी तरह का संयोग नहीं होता है। इस तरह का सिरदर्द शरीर की आंतरिक जैविक घड़ी, हार्मोनल बदलाव, नींद का पैटर्न और ब्रेन में होने वाले केमिकल्स बदलाव सिरदर्द के टाइम को प्रभावित कर सकते हैं। मेडिकल साइंस के मुताबिक एक ही समय पर होने वाला सिरदर्द, सिर में दर्द के प्रकार जैसे कलस्टर और माइग्रेन की वजह हो सकता है। इस तरह के सिरदर्द को सामान्य मानकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

एक ही समय पर सिरदर्द क्यों होता है?

एनसीबीआई के अनुसार एक ही समय पर होने वाले सिरदर्द को आप क्लस्टर हेडेक (उ'४२३ी१ ल्हींीं) के नाम से जान सकते हैं। इसमें आंखों के आसपास या सिर के एक हिस्से में अत्यधिक तेज दर्द महसूस होता है। यह अक्सर रात के समय या सुबह जल्दी शुरू हो सकता है। विशेषज्ञ के अनुसार ब्रेन का हाइपोथैलेमस हिस्सा, जो शरीर की जैविक घड़ी को नियंत्रित करता है, कलस्टर हेडेक में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :**

नशा मुक्ति दिवस पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार का व्यापक जागरूकता अभियान

संवाददाता

साहिबगंजः झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहिबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति व अवैध तस्करी निषेध दिवस के अवसर पर जिलेभर में एक व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य समाज को विशेषकर युवाओं को, नशे के गंभीर दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और एक नशामुक्त तथा स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करना है। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज द्वारा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण - नालसा की महत्वाकांक्षी योजना 'डॉन' के तहत विभिन्न स्थानों पर विशेष जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। 'डॉन' योजना का लक्ष्य नशीले पदार्थों के दुरुपयोग को संबोधित करने के लिए कानूनी सेवा ढांचे को मजबूत करना जागरूकता बढ़ाना और क्षमता निर्माण करना है । जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले के विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों, ग्राम पंचायतों सामुदायिक स्थलों, मंडल कारा और बाल सुधार गृहों में विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किए गए। इन महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में लीगल एड डिफेंस काउंसिल ,एलएडीसी के सदस्यों और पैरा लीगल वॉलंटियर्स ,न्याय मित्र ने सक्रिय रूप से भाग लिया, जिससे अभियान की पहुंच और प्रभावशीलता बढ़ी।जागरूकता कार्यक्रमों के दौरान, प्रतिभागियों को नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और कानूनी दुष्परिणामों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। विशेषज्ञों ने बताया कि कैसे नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य परिवार और समाज पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। साथ ही इससे जुड़े कानूनी प्रावधानों और दंडों के बारे में भी अवगत कराया गया। लोगों को नशे से दूर रहकर एक स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया, जिसमें खेलकूद, शिक्षा और रचनात्मक गतिविधियों में संलग्न होने पर जोर दिया गया।अभियान के अंतर्गत, विद्यालयों, महाविद्यालयों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर नशा मुक्ति एवं पुनर्वास विषय पर प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक भी प्रदर्शित किए गए। इन नाटकों के माध्यम से नशे के खिलाफ संदेश को मनोरंजक और यादगार तरीके से लोगों तक पहुंचाया गया। इसके अतिरिक्त, नालसा द्वारा जारी विशेष जिंगल तुम मत गिरना और आधिकारिक डीएडब्लू डीएडब्लूएन कैंपेन वीडियो को विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर व्यापक रूप से साझा किया गया। सोशल मीडिया अभियान के तहत हैशटैग का उपयोग करते हुए अधिक से अधिक लोगों तक जागरूकता संदेश पहुंचाया गया और उनसे नशा मुक्त भारत के निर्माण में सहभागी बनने की अपील की गई । श्री भगत ने जोर देकर कहा कि नशे के विरुद्ध यह जन-जागरूकता अभियान केवल एक दिवस तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि समाज में नशे के बढ़ते दुष्प्रभावों को रोकने के लिए भविष्य में भी नियमित रूप से जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जाते रहेंगे। यह निरंतर प्रयास साहिबगंज जिले को नशामुक्त बनाने और एक स्वस्थ सुरक्षित तथा समृद्ध समाज की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय जयंती पर युवाओं को राष्ट्रप्रेम का संदेश,नशा मुक्ति की दिलाई गई शपथ

साहिबगंज :मेरा युवा भारत साहेबगंज के तत्वावधान में महान साहित्यकार एवं वंदे मातरम् के रचयिता बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की जयंती के अवसर पर एक प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में युवा क्लब के सभी सदस्य को बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के जीवन,उनके साहित्यिक योगदान और राष्ट्रप्रेम की भावना से अवगत कराया गया। इस अवसर पर अतिथि रविकांत तांती व कौशर अंसारी यूथ क्लब के अध्यक्ष शैलेश कुमार,नीलू कुमारी,तथा रेणु कुमारी उपस्थित रहे।मेरा युवा भारत के सदस्य कौशर अंसारी ने सभी युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय का जीवन हमें देशभक्ति, नैतिक मूल्यों,शिक्षा और समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने बच्चों से अपने जीवन में अनुशासन,ईमानदारी और सकारात्मक सोच अपनाने का आह्वान किया।कार्यक्रम के दौरान नशा मुक्ति अभियान के तहत यूथ क्लब के सदस्य को नशे से दूर रहने अपने परिवार,मित्रों और समाज को भी नशा मुक्त बनाने का संकल्प दिलाया गया।उपस्थित सभी युवा ने शपथ ली कि वे स्वयं किसी भी प्रकार के नशे का सेवन नहीं करेंगे तथा दूसरों को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करेंगे।

कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रप्रेम,सामाजिक जिम्मेदारी और स्वस्थ जीवन शैली के प्रति जागरूकता विकसित करना था।अंत में मेरा युवा भारत के पूर्व स्वयंसेवक चंदन कुमार ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन किया गया। इस कार्यक्रम दर्जनों छात्र- छात्राएं उपस्थित रही।

मोहर्रम जुलूस की सुरक्षा के लिए ड्रोन से निगरानी, पुलिस अधिकारियों ने किया रूट निरीक्षण

✔ पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था का लिया व्यापक जायजा

संवाददाता

साहिबगंज : मोहर्रम अखाड़ा एवं ताजिया जुलूस को शांतिपूर्ण और सुरक्षित संपन्न कराने के उद्देश्य से शुक्रवार दोपहर पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था का व्यापक जायजा लिया। सदर एसडीपीओ सुशील कुमार और मुख्यालय डीएसपी रवि कुमार कांत साव के नेतृत्व में नगर थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता समेत पुलिस बल की टीम ने शहर के विभिन्न मोहल्लों और जुलूस मार्ग का निरीक्षण किया। ड्रोन कैमरों की सहायता से जुलूस मार्ग, संवेदनशील स्थानों तथा आसपास के क्षेत्रों की निगरानी की गई। अधिकारियों ने ड्रोन से प्राप्त दृश्य के आधार पर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए मौके पर मौजूद पुलिस पदा धिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।पुलिस प्रशासन ने मोहर्रम जुलूस के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए करीब एक दर्जन ड्रोन कैमरों की व्यवस्था की है। जुलूस मार्ग के विभिन्न स्थानों पर अलग-अलग ड्रोन ऑपरेटर और कैमरामैन की तैनाती की जाएगी, ताकि पूरे आयोजन पर लगातार नजर रखी जा सके और किसी भी अप्रिय स्थिति से तत्काल निपटा जा सके।प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मोहर्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रहेगी तथा जुलूस की हर गतिविधि पर आधुनिक तकनीक के माध्यम से निगरानी रखी जाएगी ताकि पर्व शांतिपूर्ण सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हो सके।

मोमिन टोला सिमडा में 63 केवीए का लगा ट्रांसफार्मर

साहिबगंज/बरहेटःप्रखंड क्षेत्र अंतर्गत सिमडा मोमिन टोला में 63 केवीए का नया ट्रांसफार्मर लगा। ग्रामीणों ने क्षेत्रीय विधायक सह मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं झामुमो केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा का आभार जताया। बताते चलें कि सिमडा मोमिन टोला में ट्रांसफार्मर जल गया था। गांव वाले अंधेरे में रहने को विवश थे ग्रामीणों ने झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सह प्रमुख बर्नार्ड मरांडी सचिव मुजीबुर्रहमान को इसकी लिखित सूचना दी। अध्यक्ष और सचिव ने संबंधित विभाग से संपर्क कर अथक प्रयास से मोमिन टोला सिमडा मे 63 केवीए का ट्रांसफार्मर लगाया गया। वही पंचायत सचिव सिकंदर मोमिन मुजिबुर रहमान जियाउर अंसारी अब्दुल कलाम सहित अन्य की द्वारा विधिवत रूप से फीता काट कर उद्घाटन किया गया।

मुहर्रम पर जिला भर में निकला ताजिया व जुलूस

पारंपरिक हथियारों व लाठियों के सहारे खूब दिखाए गए करतब

संवाददाता

साहिबगंजःमुहर्रम की10वीं तारीख पर शुक्रवार की देर शाम शहर के विभिन्न मुहर्रम कमेटियों ने ताजिया व सिप्प्ल के साथ अखाड़ा-जुलूस निकाला।अखाड़ा जुलूस में लोग जगह-जगह लाठी-डंडा व परंपरागत हथियार से करतब दिखाते चल रहे थे।जुलूस रात तक शहर का भ्रमण कर अपने-अपने मुहल्ले के इमामबाड़ा पर वापस लौट गया। मौके पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम थे। 11वीं पर शनिवार को भी विभिन्न मुहर्रम कमेटी की ओर से अखाड़ा के साथ पहलाम जुलूस निकाला जाएगा। राजमहल में मुहर्रम के अवसर पर प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न जगहों से ताजिया जुलूस निकाला गया। जिसने काफी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग शामिल हुए।अलग-अलग हिस्सों से पारंपरिक हथियार व लाठी लेकर निकले जुलूस में अनोखा करतब एंव तरह-तरह के लाठी खेल का प्रदर्शन किया गया।सुरक्षा व विधि व्यवस्था को बनाए रखने के लिए सशस्त्र पुलिस बल की टीम तैनात थी।मंडरो प्रखंड अंतर्गत मिजाचौकी तेतरिया,शाहाबाद एवं मंडरो धनवासा बुधूवाचक एवं बिशनपुर में मोहर्रम के अवसर पर ताजिया के साथ जुलूस निकाला।तीनपहाड़ में आकषर्क ताजिया निकाल कर लोगों ने पारंपरिक हथियार के साथ अखाड़ा जुलूस निकाला।इस दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम थे।

प्रत्येक बूथ पर यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहेः बरकतुल्लाह

✔ एसआईआर प्रशिक्षण सह संवाद कार्यक्रम में मतदाता सूची से वंचित न रहने पर जोर

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवाःप्रखंड क्षेत्र स्थित निशा मैरेज हॉल बिन्दुधाम पथ में शुक्रवार को जिला कांग्रेस अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकतुल्लाह खान की अध्यक्षता में एसआईआर प्रशिक्षण सह संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया । झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के एसआईआर संथाल परगना प्रभारी व पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ।प्रदीप कुमार बलमुचू मुख्य आतिथ्य के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता अवधेश कुमार प्रजापति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमिटी के पदाधिकारी,मंडल अध्यक्ष

विभिन्न मोर्चा संगठनों के अध्यक्ष,पंचायत अध्यक्ष, नगर एवं वार्ड अध्यक्ष,सभी पार्टी के बीएल ए-2 उपस्थित रहे। बैठक में साहेबगंज जिले में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की जिला, प्रखंड,पंचायत एवं बूथ स्तर पर विस्तृत समीक्षा की गई।डॉ।प्रदीप कुमार बलमुचू ने कार्यकर्ताओं से मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य को गंभीरता एवं पारदर्शिता के साथ संपन्न कराने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक बूथ पर यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे। उन्होंने ग्रामीणों की हरसंभव सहायता करने तथा अभियान को जन-जन तक पहुंचाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक कार्यकर्ता पूरी जिम्मेदारी और ईमानदारी से अपने दायित्वों का निर्वहन करेगा,तो कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से नहीं छूटेगा। बैठक में बीएलए-2 एवं कार्यकताओं को अभियान के सफल संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। कार्यक्रम के उपरांत आयोजित प्रेस वार्ता में डॉ।प्रदीप कुमार बलमुचू ने एसआईआर अभियान की महत्ता,संगठन की रणनीति एवं जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार साझा किए तथा पत्रकारों के प्रश्नों के उत्तर दिए।इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता अवधेश कुमार प्रजापति ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि लगातार परीक्षा रद्द होने से युवाओं एवं उनके अभिभावकों की मेहनत और उम्मीदों को गहरा आघात पहुंच रहा है। उन्होंने निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी युवाओं के अधिकारों और उन्हें न्याय दिलाने के लिए उनके साथ मजबूती से खड़ी है। कार्यक्रम में अनीकुल मिश्रा,कमल कुमार आर्य,मो।नसीरुद्दीन,अशोक कुमार दास,मोहम्मद कलीमुद्दीन, बासुकीनाथ यादव,सरफराज आलम, नित्यानंद गुप्ता,मोरसलीन खान, हीरालाल शाह,रंजीत टुडू,विमल देव भगत,भोलानाथ महतो,नाबीद अंजुम, निहाल अख्तर,थॉमस रॉबर्ट,मिथुन मंडल,अनंत लाल भगत,निताई सरकार, सारिक रब्बानी सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

न्यूज IN ब्रीफ

मदनशाही मुस्लिम पंचायत का बड़ा फैसला,मोहर्रम पर नहीं निकला ताजिया और जुलूस

साहिबगंजःबोरियो प्रखंड अंतर्गत जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के मदनशाही मुस्लिम पंचायत ने मोहर्रम के अवसर पर ताजिया,जुलूस, ढोल-नगाड़ा और अन्य बाजे नहीं निकालने का निर्णय लिया है। पंचायत के इस फैसले की क्षेत्र में व्यापक चर्चा हो रही है। पंचायत के सरदार मोहम्मद सफाजुद्दीन ने बताया कि ताजिया निकालना,जुलूस निकालना तथा ढोल-नगाड़ा बजाना इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। उनका कहना है कि ऐसे आयोजनों से कई बार लोगों को असुविधा होती है, जबकि इस्लाम दूसरों को कष्ट पहुंचाने की शिक्षा नहीं देता।इसी सोच के साथ पंचायत ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया कि गांव में मोहर्रम के अवसर पर किसी प्रकार का ताजिया,जुलूस, ढोल-नगाड़ा या अन्य बाजा नहीं निकाला जाएगा।उन्होंने बताया कि मदनशाही मुस्लिम पंचायत पहले भी सामाजिक सुधार से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय ले चुकी है। पंचायत ने पूर्व में शादी-विवाह के अवसर पर डीजे,ढोल-नगाड़ा और अन्य तेज आवाज वाले वाद्ययंत्रों के उपयोग पर भी प्रतिबंध लगाया था,जिसका ग्रामीणों ने पालन किया है। पंचायत के इस नए फैसले की गांव से लेकर शहर तक सराहना की जा रही है। लोगों का कहना है कि जुलूस और तेज आवाज वाले आयोजनों से आम लोगों को परेशानी होती है,वहीं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन को भी अतिरिक्त मशक्कत करनी पड़ती है। पंचायत का मानना है कि शांतिपूर्ण और सादगीपूर्ण तरीके से धार्मिक परंपराओं का पालन करना समाज और सभी समुदायों के हित में है।

एमजी कालेज में चलाया गया नशा मुक्त अभियान

दुमका : मयुराक्षी ग्रामीण कालेज रानीश्वर के एनएसएस इकाई 3 की ओर से बुधवार को प्रभारी प्राचार्य प्रो नव कुमार पाल की अध्यक्षता में तथा ईकाइ 3 के कार्यक्रम पदाधिकारी सह दुमका के नोडल पदाधिकारी डॉ रुपम कुमारी के नेतृत्व में नशा मुक्त अभियान चलाया गया। जिसमें शिक्षक,शिक्षकेत्तर कर्मचारी व छात्र छात्राओं को नशा मुक्त के लिए शपथ दिलाई गई। नशा मुक्त जागरूकता अभियान के माध्यम से युवाओं को किसी प्रकार का नशा नहीं करें इसके लिए जागरूक किया जाना है। कार्यक्रम में एन एस एस इकाई 1 के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ अवर्णा राय, इकाई 4 के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ प्रशांत पातर, इकाई 5 के कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो आशीष कुमार मंडल के अलावा प्रो अफरोज खान,प्रो आनंद गोपाल घोष, प्रो काजल मंडल,प्रो हूमांयु कबीर,सुवोध मान्ना, जावेद मान्ना,नंद दुलाल मांझी,प्रभाती पाल,छोटन,केशव दास, अंशिका रानी दास आदि उपस्थित थे।

श्याम मंदिर के स्थापना दिवस व निर्जला एकादशी पर निकाली गयी भव्य निशान यात्रा

चासः धर्मशाला मोड़ स्थित श्री श्याम मंदिर के 23वें स्थापना दिवस व निर्जला एकादशी के अवसर पर श्री श्याम दीवाने चास बोकारो की ओर से भव्य निशान यात्रा निकाली गयी। यात्रा पूजा-अर्चना के बाद बोकारो सेक्टर एक स्थित राम मंदिर से निकली और विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण करते हुए चास स्थित श्री श्याम मंदिर पहुंची। इसके बाद श्रद्धालुओं ने श्री श्याम को निसान अर्पण किया। यात्रा के दौरान श्याम भक्त चलो चलें श्याम के द्वारङ्क, तू ही तो है श्याम म्हारोङ्क , हर ग्यारस को खाटू धाम जायेंगे , हारा हूं बाबाङ्क, इतनी कृपा सांवरे बनाये रखना , सेठों का सेठ खांटू नरेश आदि भक्ति गीतों पर श्रद्धालु झूमते रहे। खूब जयकारे भी लगे। यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के लिए सामाजिक कार्यकताओं द्वारा जगह-जगह पानी व शरबत की व्यवस्था की गयी। डीसी अजय नाथ झा, एसपी नाथू सिंह मीना, डीडीसी शताब्दी मजूमदार, अपर समाहर्ता सुनील कुमार, जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, समाज कल्याण पदाधिकारी सुमन गुप्ता, डिप्टी मेयर पूजा कुमारी सहित मारवाड़ी महिला समिति, मारवाड़ी युवा मंच, मित्र परिषद सहित मारवाड़ी समाज के विभिन्न संस्था के सदस्य मंदिर परिसर पहुंचे और बाबा श्याम से आशीर्वाद लिया। मंदिर परिसर में रात को भजन संध्या का आयोजन किया गया। मौके पर रामगढ़ के गायक निखिल गोयल द्वारा गाये गीतों देना हो तो दीजिए , मेरे सिर पर रख दो बाबा।।, हाजिरी लिखवाता हूं हर ग्यारस में पर श्रद्धालु खूब झूमे।

भजन संध्या के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया। मौके पर अनिल गोयल, दीपक अग्रवाल, नरेश झंझोटर , रौनक केडिया, मनीष गोयल, बाबू प्रताप, अजीत, जीतेन्द्र, गोपाल मित्तल, बसंत अग्रवाल, अनूप अग्रवाल, दीपक जलान सहित अन्य श्याम प्रेमी उपस्थित थे।

धतकीडीह तालाब से अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद

जमशेदपुर : बिष्टुपुर थाना क्षेत्र के धतकीडीह तालाब से शनिवार को एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। सुबह तालाब में शव तैरता देख स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। खबर मिलते ही बिष्टुपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों के सहयोग से शव को तालाब से बाहर निकलवाकर अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। समाचार लिखे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और शव की शिनाख्त के लिए आवश्यक प्रयास किए जा रहे हैं। बिष्टुपुर थाना प्रभारी अशोक दुबे ने बताया कि प्रथम दृष्टया मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि व्यक्ति की मौत डूबने से हुई है या इसके पीछे कोई अन्य कारण है। फिलहाल पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि यदि किसी को मृतक के संबंध में कोई जानकारी हो तो तत्काल बिष्टुपुर थाना को सूचित करें,ताकि उसकी पहचान सुनिश्चित कर आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा सके।

फीफा विश्व कप 2026: ब्राजील का अंतिम 32 में जापान से होगा सामना

एजेंसी

नई दिल्ली : फीफा विश्व कप 2026 के अंतिम 32 का एक और मुकाबला तय हो गया है। पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील अब नॉकआउट चरण में जापान से भिड़ेगा। यह मुकाबला 29 जून को अमेरिका के ह्यूस्टन स्टेडियम में खेला जाएगा, जिसकी शुरूआत भारतीय समयानुसार रात 10:30 बजे होगी। जापान ने ग्रुप एफ के अपने अंतिम मुकाबले में स्वीडन के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलकर चार अंक हासिल किए और नीदरलैंड के बाद दूसरे स्थान पर रहते हुए अंतिम 32 में जगह बनाई। दूसरी ओर, ब्राजील ने ग्रुप सी में दो जीत और एक ड्रॉ के साथ शीर्ष स्थान हासिल कर नॉकआउट चरण में प्रवेश किया। ब्राजील के ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहने वाला मोरक्को अब अंतिम 32 में नीदरलैंड का सामना करेगा। ब्राजील और जापान के बीच पिछली भिड़ंत अक्टूबर 2025 में एक अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में हुई थी, जिसमें जापान ने 3-2 से जीत दर्ज कर इतिहास रचा था। यह 14 मुकाबलों में ब्राजील के खिलाफ जापान की पहली जीत थी। हालांकि विश्व कप के इतिहास में दोनों टीमों की अब तक केवल एक बार टक्कर हुई है। वर्ष 2006 के विश्व कप में ब्राजील ने जापान को 4-1 से हराया था। अब लगभग दो दशक बाद दोनों टीमें फिर विश्व कप के मंच पर आमने-सामने होंगी, जहां जापान पिछली जीत का आत्मविश्वास लेकर उतरेगा, जबकि ब्राजील अपने शानदार रिकॉर्ड को कायम रखने की कोशिश करेगा।

राष्ट्रीय खेल और खेलो इंडिया खिलाड़ियों के लिए अनिवार्य होंगे एंटी-डोपिंग जागरूकता सत्र : डॉ. मांडविया

एजेंसी

नई दिल्ली : केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने गुरुवार को नई दिल्ली में राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में प्रयोगशाला के कार्य, तकनीकी क्षमताओं और भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान डॉ. मांडविया ने कहा कि राष्ट्रीय खेलों और खेलो इंडिया प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के लिए एंटी-डोपिंग जागरूकता सत्र अनिवार्य किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को उनके करियर के शुरूआती चरण में ही डोपिंग के खतरों और नियमों की जानकारी देना आवश्यक है, ताकि वे अनजाने में भी डोपिंग उल्लंघन से बच सकें। क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध होगा ह्नो योर मेडिसिनह्न ऐप खेल मंत्री ने एंटी-डोपिंग जागरूकता को व्यापक बनाने के लिए ह्नो योर मेडिसिनह्न मोबाइल ऐप को क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध कराने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि स्थानीय भाषाओं में जानकारी उपलब्ध होने से खिलाड़ियों, कोचों और सहयोगी स्टाफ को प्रतिबंधित पदार्थों के बारे में बेहतर समझ मिलेगी और वे सही निर्णय ले सकेंगे।

डॉ. मांडविया ने कहा कि भारत का लक्ष्य राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के नमूनों की जांच बढ़ाना है। उन्होंने बताया कि प्रयोगशाला की तकनीकी क्षमता और वैश्विक मानकों के अनुरूप कार्यप्रणाली इसे अंतरराष्ट्रीय एंटी-डोपिंग प्रणाली में बड़ी भूमिका निभाने के योग्य बनाती है।

गांवों, स्कूलों और कॉलेजों तक पहुंचेगी जागरूकता

डॉ. मांडविया ने कहा कि डोपिंग भारतीय खेलों के लिए एक गंभीर चुनौती बनकर उभरी है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि केवल दंडात्मक कार्रवाई से समस्या का समाधान नहीं होगा। उन्होंने निर्देश दिया कि एंटी-डोपिंग जागरूकता अभियान को गांवों, स्कूलों, कॉलेजों और खेल संस्थानों तक विस्तार दिया जाए, ताकि स्वच्छ खेल और स्वच्छ खिलाड़ियों की संस्कृति को बढ़ावा मिल सके।

19 की उम्र में मैंने पियर्सिंग कराई

अभिनेत्री और सिंगर श्रुति हासन ने सोशल मीडिया पर अपने बचपन और टीनएज से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा साझा किया है। उन्होंने बताया कि टीनएज में लिया गया उनका एक फैसला उनके पिता और दिग्गज अभिनेता कमल हासन को बिल्कुल पसंद नहीं आया था, जिसके चलते वह काफी गुस्सा हो गए थे। दरअसल, श्रुति हासन ने इंस्टाग्राम पर एक 'आस्क मी एनीथिंग' सेशन के दौरान फैंस के सवालों का जवाब दिया। इसी दौरान एक फैन ने उनसे उनके पर्सनल स्टाइल और बॉडी पियर्सिंग को लेकर सवाल पूछा। इस पर जवाब देते हुए श्रुति ने बताया कि उन्होंने टीनएज में बेली बटन की पियर्सिंग कराई थी। श्रुति ने अपने जवाब में एक तस्वीर भी शेयर की और लिखा, ''यह फैसला मेरे टीनएज की शरारत का हिस्सा था। 19 साल की उम्र में मैंने बेली बटन की पियर्सिंग कराई थी। मेरे इस फैसले पर मेरे अप्पा काफी गुस्सा हुए थे। अभिनेत्री ने कहा कि ज्यादातर लोग टीनएज में ऐसे फैसले लेते हैं, जिन पर बाद में परिवार अलग प्रतिक्रिया देता है। बता दें कि श्रुति हासन हमेशा से अपने अलग और बोल्ड फैशन स्टाइल के लिए जानी जाती रही हैं। इसको लेकर एक फैन ने उनसे उनका हेयर केयर रूटीन के बारे में पूछा, जिस पर श्रुति ने बताया कि पिछले पांच सालों में वह किसी भी हेयर सैलून नहीं गई हैं।

उन्होंने कहा कि वह अपने बालों की देखभाल खुद ही करती हैं और जरूरत पड़ने पर खुद ही बाल काटती और ट्रीट करती हैं। श्रुति ने कहा, ''आखिरी बार मैंने बालों को 2017 में कलर कराया था, और उसके बाद से मैंने किसी तरह का प्रोफेशनल हेयर ट्रीटमेंट नहीं लिया है। मैं अपने बालों और लुक्स के साथ खुद एक्सपेरिमेंट करना पसंद करती हूं।

ग्राम चिकित्सालय 2 से जुड़े निरहुआ, सुनाए मजेदार किस्से

'जो लोग देखना पसंद करेंगे, वहां दिख जाऊंगा'

भोजपुरी स्टार दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ अब वेब सीरीज 'ग्राम चिकित्सालय सीजन 2' में नजर आने वाले हैं। खास बात ये है कि वह पहले सीजन में भी इस सीरीज का हिस्सा बनना चाहते थे, लेकिन उस वक्त बात नहीं बन पाई। अब दूसरे सीजन से जुड़कर वह काफी खुश हैं। हाल ही में बातचीत में निरहुआ ने सीरीज, अपने किरदार और ओटीटी के दौर में बदलती इंडस्ट्री पर बात की।

'तब लगा मुझे भी करना चाहिए था'

निरहुआ ने बताया कि ग्राम चिकित्सालय उन्हें शुरू से पसंद था और पहले सीजन में शामिल न हो पाना उन्हें कहीं न कहीं खटका भी था। उन्होंने कहा, 'जब मुझे ये सीरीज ऑफर हुई तो बहुत खुश हुआ। क्योंकि मैं इसका पहला सीजन ही करना चाहता था। जब पहला सीजन आया तो मैंने परिवार के साथ बैठकर देखा और मुझे बहुत आनंद आया। मैं घर में यही बात कर रहा था कि यार मैं भी करने वाला था लेकिन कुछ कारणों से नहीं कर पाया। फिर जैसे ही पता चला कि इसका दूसरा सीजन भी आ रहा है तो बहुत खुश हुआ। मैंने इसमें काम किया क्योंकि यह मेरा फेवरेट शो है।

'हर गांव में मेरे जैसा एक आदमी'

अपने किरदार के बारे में बात करते हुए निरहुआ कहते हैं, 'मेरा किरदार ऐसा है जैसा आदमी लगभग हर गांव में मिल ही जाएगा। एक ऐसा दबंग टाइप का आदमी जिसको सब पता है कि कौन क्या करके आया है? सिस्टम कैसे चलता है? वो सब जानता है। हर जगह ऐसे लोग मिलते हैं और हमारा पाला भी बहुत पड़ता है। लोगों को देखने को मिलेगा कि गांव में दबंग आदमी असल में होता कैसा है।'

'एक्टर की पढ़ाई 24 घंटे चलती रहती है'

अपने किरदार की तैयारी पर निरहुआ ने कहा, 'एक्टर्स के लिए सीखने की प्रक्रिया कभी रुकती नहीं है। हां कुछ किरदारों के लिए ज्यादा वर्कशॉप नहीं करनी पड़ती क्योंकि रियल लाइफ में ऐसे लोग मिलते रहते हैं। हम अभिनेताओं की पढ़ाई 24 घंटा चलती रहती है। हम जहां भी जाते हैं लोगों को ऑब्जर्व करते हैं कि ये कैसे बात कर रहा है, कैसे बिहेव कर रहा है। फिर जब मौका मिलता है तो उसी को पर्दे पर उतारने की कोशिश करते हैं।'

फिल्मों के चुनाव को लेकर चेतना पांडे का बेबाक बयान

'स्क्रीन टाइम नहीं-

दमदार... किरदार चाहिए

अभिनेत्री चेतना पांडे को हालिया रिलीज फिल्म 'हॉन्टेड 3डी: इकोज ऑफ द पास्ट' से दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। इस सफलता के बीच चेतना ने करियर, फिल्मों के चुनाव और भविष्य की योजनाओं को लेकर बातचीत की। उन्होंने कहा कि अब वह केवल ऐसे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना चाहती हैं, जो उन्हें एक कलाकार के तौर पर आगे बढ़ाएं और दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ें।

बात करते हुए चेतना पांडे ने कहा, ''करियर के इस पड़ाव पर मैं खुद को किसी एक तरह के किरदार या फिल्म शैली तक सीमित नहीं रखना चाहती। हॉरर फिल्म में काम करने के बाद मुझे इस शैली की ताकत का एहसास हुआ है, इसलिए मैं आगे भी हॉरर फिल्मों में काम करना चाहूंगी। मैं सिर्फ इसी शैली तक सीमित नहीं रहना चाहती। एक कलाकार के रूप में मेरा सबसे बड़ा सपना खुद को और अपने दर्शकों को लगातार नए रूप में चौंकाना है।'' अभिनेत्री ने कहा, 'मैं ऐसा किरदार निभाना चाहती हूं, जो मुझे भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक रूप से चुनौती दे और मुझे आगे बढ़ाता रहे। चाहे कोई बड़ी कमर्शियल फिल्म हो, थ्रिलर हो या फिर बायोपिक, मेरे लिए सबसे ज्यादा मायने यह बात रखती है कि मेरा किरदार दर्शकों के मन में लंबे समय तक बना रहे।' चेतना ने कहा, ''मुझे फिल्म में ज्यादा स्क्रीन टाइम नहीं चाहिए। मैं ऐसे रोल्स को प्राथमिकता देती हूं, जिनकी कहानी में दम हो और जो कुछ कहने की ताकत रखते हों। मैं केवल ग्लैमर दिखाने वाली भूमिकाओं की बजाय ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हूं, जो लोगों को सोचने पर मजबूर करें। हर नया प्रोजेक्ट मुझे पहले किए गए काम से आगे ले जाए और कुछ नया सिखाए।''

चेतना ने कहा, ''मैं अभी भी इस पूरे अनुभव को समझने और महसूस करने की कोशिश कर रही हूं। जब कोई कलाकार लंबे समय तक किसी फिल्म पर मेहनत करता है, कई तरह की चुनौतियों का सामना करता है और यह उम्मीद करता है कि दर्शक उसके काम को पसंद करेंगे, तब सफलता मिलने के बाद उस पल को तुरंत समझ पाना आसान नहीं होता। 'हॉन्टेड 3डी' फिल्म की सफलता पर खुशी जताते हुए चेतना ने कहा, 'पिछले कुछ दिन जश्न से ज्यादा आभार के रहे हैं। मैंने सबसे पहले परिवार, दोस्तों और उन लोगों से बात की, जिन्होंने इस सफर में हर कदम पर मेरा साथ दिया। मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी यही है कि मेरे करीबी लोग मेरी सफलता से खुश हैं।

बचपन में जिन सितारों को देखती थी, आज उनके साथ काम कर रही हूं : मोना सिंह

फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में अभिनेत्री मोना सिंह ने मेहनत और समर्पण के दम पर खास मुकाम बनाया है। इस कड़ी में मोना सिंह ने अपने सफल करियर का राज खोला है। उन्होंने बताया कि सफलता का सबसे बड़ा राज अपने काम से प्यार करना और कभी हार न मानना है। बात करते हुए मोना सिंह ने अपने करियर के सफर को याद किया और बताया, ''मैंने हमेशा एक बात पर भरोसा किया है कि अगर इंसान की नीयत सही हो और वह अपने काम को पूरी ईमानदारी से करे, अपने हुनर को लगातार बेहतर बनाने की कोशिश करे, तो उसे काम जरूर मिलता है। जीवन में आगे बढ़ने के लिए सिर्फ प्रतिभा ही काफी नहीं होती, बल्कि अनुशासन और मेहनत भी उतना ही जरूरी होता है। यही बातें मुझे लगातार आगे बढ़ने की प्रेरणा देती रही हैं।'' मोना ने कहा, ''मैं बचपन में जिन कलाकारों और फिल्मों को बड़े ध्यान से देखा करती थी, आज उन्हीं लोगों के साथ काम करने का मौका मिल रहा है।

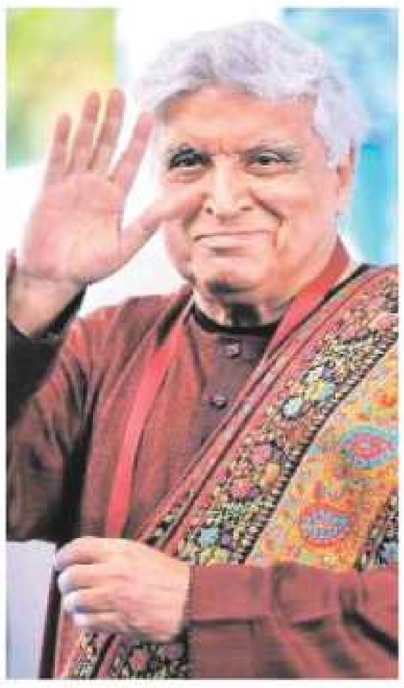

जब जावेद अख्तर ने फिल्म इंडस्ट्री की हकीकत से पहली बार किया सामना

दिग्गज गीतकार, पटकथा लेखक और कवि जावेद अख्तर अक्सर अपने विचारों और अनुभवों को लेकर चर्चा में रहते हैं। सोशल मीडिया पर भी उनके इंटरव्यू और किस्सों को लोग बड़े ध्यान से सुनते हैं। हाल ही में उनका एक पुराना वीडियो फिर से वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री के शुरुआती दिनों का एक दिलचस्प अनुभव साझा किया। यह वीडियो लोकप्रिय शो 'मूवर्स एंड शैकर्स' का है, जिसमें जावेद अख्तर ने बताया कि जब वह फिल्म इंडस्ट्री में नए-नए आए थे, तब उन्हें एक निर्माता को अपनी कहानी सुनाने का मौका मिला था। जावेद अख्तर ने कहा, 'मैं आपको एक दिलचस्प कहानी सुनाता हूं। जब मैं पहली बार फिल्म इंडस्ट्री में आया, तब मुझे यहां के तौर-तरीकों की ज्यादा जानकारी नहीं थी। मैंने एक कहानी लिखी, जो मुझे बिल्कुल नई और अलग लगी। बड़ी मुश्किल से मुझे एक निर्माता से मिलने का समय मिला। उस दौर में किसी निर्माता के दफ्तर तक पहुंचना भी आसान नहीं था। उन्होंने आगे कहा, 'मैंने अपनी कहानी सुनानी शुरू की। मैंने देखा कि निर्माता बड़े ध्यान से कहानी सुन रहे हैं। मुझे लगा कि उन्हें कहानी पसंद आ रही है। जब कहानी खत्म हुई तो कमरे में कुछ देर तक सन्नाटा रहा। मैंने उनसे पूछा कि उन्हें कहानी कैसी लगी। जावेद अख्तर के मुताबिक, निर्माता का जवाब उनके लिए चौंकाने वाला था। उन्होंने कहा, 'निर्माता ने कहा कि कहानी अच्छी है, लेकिन इसमें एक जोखिम है। जोखिम यह है कि मुझे याद नहीं पड़ता कि ऐसी कहानी मैंने पहले कभी किसी फिल्म में देखी हो। अभी तक इस तरह की कहानी किसी फिल्म में नहीं आई है।'

मुख्यमंत्री आज अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस पर सशक्त उद्यमी-समृद्ध मप्र समिट में होंगे शामिल

- एमएसएमई और स्टार्ट-अप को सिंगल क्लिक से अंतरित होगी 225 करोड़ से अधिक की राशि

एजेंसी

भोपाल: मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज शनिवार को 10वें अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस पर भोपाल के रवींद्र भवन में आयोजित 'सशक्त उद्यमी समृद्ध मध्यप्रदेश समिट' में शामिल होंगे। समृद्ध भारत का दिल-विकास का दिल का संदेश देने वाले इस समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. यादव एमएसएमई इकाइयों को 225 करोड़ 19 लाख और स्टार्ट-अप को लगभग 39 लाख रुपये की राशि अंतरित करेंगे। समिट में मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में महत्वूर्ण एमओयू के साथ ही औद्योगिक क्षेत्रों का शुभारंभ और भूमि-पूजन भी होगा। इस मौके पर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चेतन्य कुमार काश्यप और मुख्य सचिव अनुराग जैन भी कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

उद्योग आयुक्त दिलीप कुमार ने बताया कि समिट में स्टाल से खाद्य प्रसंस्करण, वस्त्र एवं परिधान तथा अभियांत्रिकी क्षेत्रों के एमएसएमई के लिए बायर-सेलर मीट आयोजित होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव एमएसएमई प्रदर्शनी एवं ईज ऑफ डूइंग क्लिनिक का उद्घाटन करेंगे। विभिन्न विभागों और उद्यमियों के प्रदर्शनी में लगभग 60 से स्टॉल होंगे, जिनमें एमएसएमई, स्टार्ट-अप, विभागीय स्टॉल, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, ओ.डी.ओ.पी, योजना लाभार्थी, महिला स्व-सहायता समूह, सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी भोपाल, एमएसएमई टेक्नोलॉजी सेंटर भोपाल, भारतीय मानक ब्यूरो, न्नीट, राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एन.आइ.टी.टी.आर) तथा बैंकों के प्रतिनिधि,वालमार्ट, फ्लिप्कार्ट जैसे संस्थान सम्मिलित होंगे। इस दौरान प्रतिभागियों को संबंधित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी भी दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि समिट में एमएसएमई मंत्री चेतन्य कुमार काश्यप और मुख्य सचिव अनुराग जैन भी समिट को संबोधित करेंगे। प्रमुख सचिव राघवेन्द्र कुमार सिंह स्वागत उद्बोधन देंगे। इस दौरान एमएसएमई, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण, कृषि एवं किसान कल्याण, ग्रामीण एवं कुटीर उद्योग, पर्यटन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, एसआरएलएम (पंचायत एवं ग्रामीण विकास) तथा आईपीआईपी विभागों की विगत ढाई वर्ष की उपलब्धियों एवं आगामी ढाई वर्ष की कार्य योजना पर आधारित लघु वीडियो फिल्म का प्रदर्शन किया जाएगा।

उद्योग आयुक्त के अनुसार, समिट में 2000 से अधिक प्रतिभागियों, जिनमें एमएसएमई, उद्यमी, स्टार्ट-अप, वित्तीय संस्थान, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म एवं महिला स्व-सहायता समूह शामिल होंगे। समिट में विगत ढाई वर्षों की समस्त संबद्ध विभागीय उपलब्धियों तथा आगामी ढाई वर्षों की कार्य योजना प्रदर्शित होगी।उन्होंने बताया कि समिट में तीन विषयगत सत्र आयोजित किए जाएंगे। प्रथम सत्र, 'नये बाजार, नई उड़ान' (एमएसएमई एवं एसएचजी के लिए नए बाजार अवसर) में एफआईईओ, सीएसआईआर-एएमपीआरआई ओएनडीसी, ईसीजीसी एवं इंडिया पोस्ट के पैनलिस्ट भाग लेंगे। दवितीय सत्र 'पूंजी तक पहुँच' (फंडिंग द नेक्स्ट जनरेशन एमएसएमई), में एनपीसीएल, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, आरएक्सआईएल ट्रेन्ड्स प्लेटफॉर्म एवं नाबार्ड के पैनलिस्ट सम्मिलित हैं। तृतीय सत्र 'ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टेण्डर्ड' (बीआईएस) के सहयोग से उत्पाद गुणवत्ता पर होगा।

उद्योग आयुक्त ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा अप्रैल 2017 में पारित संकल्प के माध्यम से प्रत्येक वर्ष 27 जून को 'सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम दिवस₹ के रूप में घोषित किया गया है। यह दिवस सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजीएस) की प्राप्ति में एमएसएमई की अत्यधिक महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति जागरुकता बढ़ाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। यह वर्ष अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस के आयोजन का 10वां वर्ष है।

रायपुर के नकटी गांव में अतिक्रमण हटाने को लेकर प्रशासन और ग्रामीणों के बीच भारी तनाव

एजेंसी

रायपुर : छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के माना क्षेत्र में स्थित नकटी गांव में 26 जून 2026 की रात को प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने और घर खाली करने का 48 घंटे का नोटिस दिए जाने पर भारी तनाव है। भारी पुलिस बल की मौजूदगी के बीच वार्ड 16 और 17 के ग्रामीणों ने इस बेदखली की कार्रवाई का जबरदस्त विरोध किया, जिससे पुलिस और ग्रामीण आमने-सामने आ गए हैं । सैकड़ों ग्रामीण, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हैं, अपने घरों को बचाने के लिए लाठी-डंडों के साथ मोर्चा संभाले हुए हैं। वे किसी भी कीमत पर अपनी जमीन छोड़ने को तैयार नहीं हैं। अपनी मांग और बेदखली की कार्रवाई को रुकवाने के लिए नकटी गांव के ग्रामीणों का एक बड़ा दल आज सुबह सांसद बृजमोहन अग्रवाल के निवास पर न्याय की गुहार लगाने पहुंचा है।ग्रामीणों के अनुसार ग्राम पंचायत नकटी की आमसभा ने इस प्रस्ताव पर पहले ही लिखित आपत्ति दर्ज कराई थी, लेकिन प्रशासन ने उसे नजरअंदाज कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि यदि कार्रवाई हुई तो 1300 से अधिक आबादी वाला पूरा गांव प्रभावित होगा। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन ने उन्हें 25 जून की बैक-डेट वाला नोटिस शुक्रवार, 26 जून की रात को आकर चस्पा किया। इससे उन्हें अपनी बात रखने या वैकल्पिक व्यवस्था करने का बिल्कुल समय नहीं मिला। ग्रामीणों का तर्क है कि वे लोग पीढ़ियों से यहाँ रह रहे हैं और उनके कई मकान सरकार द्वारा ही के तहत स्वीकृत कर बनाए गए हैं। इसके अलावा वहाँ सरकारी सांस्कृतिक भवन और पानी की टंकी भी बनी हुई है, जिसे अब अचानक अवैध कब्जा बताकर खाली कराया जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले साल भी जिला प्रशासन ने सैकड़ों परिवारों को बेदखल करने का नोटिस जारी किया था। लेकिन उस समय जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के

तारातला गोदाम हादसा: मृतकों की संख्या बढ़कर 16, मलबे में फंसे लोगों की तलाश जारी

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के कोलकाता के तारातला क्षेत्र में निमार्णाधीन गोदाम ढहने की घटना में मृतकों की संख्या बढ़कर 16 हो गई है। बचाव दल लगातार मलबे में फंसे लोगों की तलाश में जुटा है। वहीं, 17 घायल श्रमिक राजकीय एसएसकेएम अस्पताल में उपचाराधीन हैं। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार शाम को बताया था कि इस मामले की जांच कोलकाता पुलिस की अपराध शाखा कर रही है और पुलिस आयुक्त अजय नंद स्वयं इसकी निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें जांच की नियमित जानकारी दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि जिस व्यक्ति के खिलाफ शुरूआती आरोप लगाए गए थे, उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक इस मामले में 6 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व सरकार के कार्यकाल में भ्रष्टाचार के कारण इस निर्माण को मंजूरी मिली थी। उन्होंने दावा किया कि तत्कालीन मेयर फिरहाद हाकिम ने निर्माण योजना पर हस्ताक्षर किए थे। पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 105, 110 और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया है। इन धाराओं में गैर इरादतन हत्या, गैर इरादतन हत्या के प्रयास तथा सामूहिक आपराधिक दायित्व से संबंधित प्रावधान शामिल हैं। मलबे में फंसे लोगों की तलाश के लिए भू-भेदी रडार, खोजी कुत्तों और भारी मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है। बचाव अभियान में कोलकाता पुलिस की आपदा प्रबंधन इकाई, अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा, कोलकाता नगर निगम, नागरिक सुरक्षा, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, राज्य आपदा मोचन बल तथा सेना के जवान लगातार अभियान चला रहे हैं। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के अनुसार, बचाव अभियान इसलिए जारी है क्योंकि हादसे के समय निर्माण स्थल पर मौजूद श्रमिकों की वास्तविक संख्या का कोई आधिकारिक रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है। पुलिस ने बताया कि मृतकों में तीन नाबालिग श्रमिक भी शामिल हैं, जो निर्माण कार्य में लगे हुए थे।

कर्नाटक के कोप्पल के पास भीषण सड़क हादसा, पांच लोगों की मौत

एजेंसी

कोप्पल : कर्नाटक के कोप्पल जिले में शनिवार सुबह भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दुर्घटना कुकनूर तालुक के भानापुर स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-63 पर उस समय हुई, जब मंत्रालयम दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को लेकर जा रही एक ओमनी वैन को डिवाइडर पार कर आए मालवाहक वाहन ने टक्कर मार दी। मृतकों की पहचान केन्चम्मा बालेकायी (35), अमृता कोट्याल (25), रमेश बल्लारी (45), प्रवीण बालेकायी (40) और चिन्मय के रूप में हुई है। सभी मृतक हावेरी जिले के रट्टीहल्ली तालुक स्थित कब्बार गांव के निवासी थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, परिवार के सदस्य ओमनी वैन से मंत्रालयम जा रहे थे। इसी दौरान पास की सड़क से आ रहा एक अशोक लेलैंड मालवाहक वाहन अचानक नियंत्रण खो बैठा और डिवाइडर पार करते हुए सामने से ओमनी वैन से जा टकराया। टक्कर इतनी भीषण थी कि ओमनी वैन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में घायल चार लोगों को तत्काल बचाव दल की सहायता से कोप्पल जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार, कुछ घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही कुकनूर पुलिस थाना की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए मामला दर्ज कर जांच जारी है।

मध्य प्रदेश में मानसून की रफ्तार धीमी, 43 जिलों में बारिश का अलर्ट

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश में मानसून की दस्तक के बाद इसकी रफ्तार फिलहाल थम गई है। 24 जून को प्रदेश के दक्षिण-पूर्वी हिस्से के 15 जिलों में प्रवेश करने के बाद पिछले तीन दिनों से मानसून आगे नहीं बढ़ा है। अगले 2 से 3 दिनों में इसके फिर सक्रिय होने की संभावना है। सबसे पहले मानसून भोपाल और उज्जैन संभाग में पहुंचेगा, जबकि ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में इसकी एंट्री सबसे आखिर में होने का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक, 24 जून को मानसून ने आलीराजपुर, इंदौर, हरदा, धार, बैतूल, खंडवा, बुरहानपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, खरगोन, सिवनी, बालाघाट, मंडला, बड़वानी और डिंडौरी जिलों में प्रवेश किया था। इसके बाद इसकी प्रगति रुक गई। हालांकि, अगले कुछ दिनों में प्रदेश के अन्य हिस्सों में मानसून के आगे बढ़ने के लिए मौसम अनुकूल रहने की संभावना जताई गई है। शनिवार को भोपाल, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, विदिशा, इंदौर, झाबुआ, आलीराजपुर, धार, बुरहानपुर, बड़वानी, खंडवा, खरगोन, उज्जैन, रतलाम, आगर-मालवा, शाजापुर, देवास, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, मऊगंज, मैहर, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, सागर, पन्ना, दमोह और छतरपुर जिलों में बारिश होने का अनुमान है। वहीं, ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, नीमच, मंदसौर, निवाड़ी और टीकमगढ़ जिलों में कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। शुक्रवार को प्रदेश के कई हिस्सों में तेज आंधी और बारिश देखने को मिली। सिवनी में करीब 2 इंच बारिश दर्ज की गई, जबकि शाजापुर के शुजालपुर, अकोदिया और आसपास के क्षेत्रों में अच्छी बारिश हुई। उज्जैन में भी डेढ़ इंच से अधिक पानी बरसा। इसके अलावा दतिया, इंदौर, राजगढ़, शिवपुरी, मंडला, रीवा, सागर, बालाघाट, खंडवा, शाजापुर, आगर-मालवा और मंदसौर सहित कई जिलों में आंधी और बारिश का दौर जारी रहा। लगातार हो रही बारिश और तेज हवाओं के कारण दिन के तापमान में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई। खरगोन में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि खंडवा में 30.1, सागर में 31.1, छिंदवाड़ा में 31.8, बैतूल में 32.7, सिवनी और उमरिया में 33.2, धार में 33.4 तथा नर्मदापुरम में 33.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। प्रदेश के प्रमुख शहरों में भोपाल और इंदौर का तापमान 33.8 डिग्री, उज्जैन का 33.5 डिग्री, जबलपुर का 36.7 डिग्री और ग्वालियर का 41.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 72 घंटे से जारी बारिश के चलते प्रदेश के कई जिलों में 4 इंच से अधिक वर्षा दर्ज की गई है। इसका असर प्रदेश के कुल वर्षा आंकड़ों पर भी दिखाई दिया है। 1 जून से अब तक प्रदेश में औसतन 99 मिमी बारिश होनी चाहिए थी, जबकि अब तक 58.5 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जो सामान्य से 41 प्रतिशत कम है। 24 जून तक यह कमी 50 प्रतिशत थी। यानी हाल की बारिश से वर्षा के आंकड़ों में करीब 9 प्रतिशत का सुधार हुआ है। हालांकि, प्रदेश के पूर्वी हिस्से में अब भी औसत से 68 प्रतिशत कम बारिश हुई है, जबकि पश्चिमी हिस्से में यह कमी 15 प्रतिशत दर्ज की गई है।

पंचायत-निकाय में अध्यक्ष-उपाध्यक्ष के चुनाव टाल रही सुक्खू सरकार, लोकतंत्र का हो रहा अपमान : जयराम ठाकुर

एजेंसी

शिमला : नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कांग्रेस सरकार पर पंचायतों, नगर निकायों और जिला परिषदों में अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के चुनाव जानबूझकर टालने का आरोप लगाया है। शनिवार को शिमला में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास कर रही है और निर्वाचित प्रतिनिधियों पर दबाव बनाने के लिए चुनावों में देरी की जा रही है। जयराम ठाकुर ने कहा कि राज्य सरकार पहले स्थानीय निकाय चुनाव टालना चाहती थी, लेकिन न्यायालयों के हस्तक्षेप के बाद चुनाव कराने पड़े। उनका आरोप है कि अब अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव लंबित रखकर सरकार को समय मिल रहा है। इससे वह निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को प्रभावित करने की कोशिश कर सके। उन्होंने कहा कि सरकार को पहले से अंदेशा था कि जनता उसके खिलाफ मतदान करेगी, इसलिए विभिन्न स्तरों पर चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने के प्रयास किए गए। नेता प्रतिपक्ष ने दावा किया कि पंचायत चुनावों में लगभग 70 प्रतिशत पंचायतों में भाजपा समर्थित प्रधान और उपप्रधान चुने गए हैं। उन्होंने कहा कि यह परिणाम कांग्रेस सरकार के प्रति जनता की नाराजगी को दशार्ते हैं। जयराम ठाकुर के अनुसार नगर निकाय चुनावों में भी भाजपा को व्यापक समर्थन मिला है। उन्होंने कहा कि धर्मशाला नगर निगम में भाजपा ने 17 में से 11 सीटें जीतकर बहुमत हासिल किया है, जबकि अन्य कई नगर निकायों में भी पार्टी का प्रदर्शन बेहतर रहा है। उन्होंने जिला परिषद और ब्लॉक समिति चुनावों के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि 12 जिला परिषदों में से केवल तीन में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव हुए हैं और उन स्थानों पर कांग्रेस उम्मीदवार मैदान में नहीं उतार सकी। उनका दावा है कि शेष अधिकांश जिला परिषदों में भाजपा समर्थित सदस्यों के पास बहुमत है, लेकिन चुनाव नहीं कराए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 92 ब्लॉक समितियों में से 47 में हुए चुनावों में 31 स्थानों पर भाजपा समर्थित उम्मीदवारों की जीत हुई है, जबकि कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार 16 स्थानों पर सफल रहे हैं। जयराम ठाकुर ने आरोप लगाया कि भाजपा समर्थित पार्षदों, बीडीसी और जिला परिषद सदस्यों पर प्रशासनिक दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ स्थानों पर जनप्रतिनिधियों और उनके परिजनों को निशाना बनाया जा रहा है तथा राजनीतिक कारणों से कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ निकायों में चुनाव प्रक्रिया के दौरान निर्धारित नियमों का पूरी तरह पालन नहीं किया गया। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि भाजपा ऐसे अधिकारियों की सूची तैयार कर रही है, जिन पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित करने के आरोप हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से जनादेश का सम्मान करने और लंबित अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष चुनाव जल्द कराने

न्यूज IN ब्रीफ

असम में भूकंप के झटके, रिक्टर स्केल पर तीव्रता 3.4

गुवाहाटी : असम में शनिवार सुबह मध्यम तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का झटका तड़के 04 बजकर 51 मिनट 16 सेकेंड पर महसूस किया गया। भारतीय सिस्मोलॉजी केंद्र के अनुसार, भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.4 मापी गई। इसका केंद्र असम के कछार जिले में जमीन के अंदर करीब 42 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। भूकंप का एपिसेंटर 24.940 उत्तरी अक्षांश और 92.562 पूर्वी देशांतर पर दर्ज किया गया। झटके महसूस होते ही लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। राहत की बात यह रही कि किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है।

गुड़-रोटी खिलाकर मुख्यमंत्री योगी ने की गोसेवा

गोरखपुर : गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान शनिवार सुबह जनता दर्शन लगाकर जनसेवा करने के साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंदिर की गोशाला में जाकर गोसेवा में भी रमे रहे। उन्होंने स्नेहिल थपकी देकर गायों-गोवंश को खूब दुलारा। गुड़-रोटी खिलाया और गोशाला के कार्यकताओं को गोवंश के समुचित देखभाल के निर्देश दिए। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान शनिवार की सुबह मुख्यमंत्री योगी की दिनचर्या परंपरागत रही। उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन किया और अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर जाकर शीश झुकाकर आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जब भी गोरखनाथ मंदिर में होते हैं तो गोसेवा उनकी दिनचर्या में शामिल रहती है। शनिवार सुबह भी मुख्यमंत्री, मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए गोशाला में पहुंचे और वहां कुछ समय व्यतीत किया। गोशाला में मुख्यमंत्री योगी ने गोवंश के माथे पर हाथ फेरा, थपकी देकर दुलारा और अपने हाथों से उन्हें गुड़-रोटी खिलाया। गोसेवा के दौरान गोशाला परिसर में विचरण कर रहे मोरों पर भी मुख्यमंत्री ने स्नेह बरसाया।

मोहर्रम जुलूस के दौरान छज्जा गिरा, दो बच्चों की मौत

लखनऊ : उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के इटौंजा थाना क्षेत्र में शुक्रवार की देर रात मोहर्रम जुलूस के दौरान एक हादसा हो गया। जुलूस के दौरान एक छज्जा पर लोग खड़े थे। ज्यादा भार होने से छज्जा भरभरा कर गिर गया। इस घटना में दो बच्चोंक मौत हो गई। आठ लोग घायल हैं। पुलिस ने घायलों का अस्पताल में भर्ती कराया है। एसीपी बीकेटी विकास कुमार पांडेय ने बताया कि थाना इटौंजा क्षेत्रान्तर्गत मोहल्ला पखरिया, मोहना में एक मकान के छज्जे से लोगों को पेय पदार्थ वितरित किया जा रहा था। इसी दौरान अचानक छज्जा भरभराकर गिर गया। उसकी चपेट में आकर 10 लोग घायल हो गए। सूचना प्राप्त होते ही स्थानीय पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और सभी घायलों को उपचार के लिए सौ शैय्या संयुक्त चिकित्सालय बीकेटी भेजा गया। चिकित्सकों ने उपचार के दौरान दो बालक अली (12) और अरमान (12) को मृत घोषित कर दिया। घायलों में अजमल(07), जियान(03), शरीफ की पत्नी सना, मोहम्मद हसीब और जियाउल की स्थिति गंभीर होने के कारण उन्हें केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। इनमें दो बच्चे दाऊद, अब्दुल वजूद को छुट्टी दे दी। वहीं, एक लड़की का इलाज सौ शैय्या अस्पताल में जारी है। घटना की सूचना पर पुलिस के उच्चाधिकारीगण ने तत्काल मौके पर पहुंचकर बचाव कार्य का पर्यवेक्षण किया गया। अन्य आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। शांति एवं कानून-व्यवस्था पूर्णतः सामान्य है।

ड्यूटी जा रहे होमगार्ड को गोली मारी, पुलिस जांच में जुटी

रायबरेली : उत्तर प्रदेश के रायबरेली में ड्यूटी जा रहे होमगार्ड को गोली मार दी,गंभीर रूप से घायल होमगार्ड को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिले के इटारा जगतपुर निवासी होमगार्ड शिव प्रताप सिंह (40) शुक्रवार देर रात को अपनी कार से सलोन कोतवाली डयूटी करने जा रहे थे। सलोन थाना क्षेत्र के पारी गांव के पास उनकी कार को एसयूवी ने ओवरटेक करके रोक लिया। जब तक शिव प्रताप सिंह कुछ समझ पाते, हमलावरों ने असलहे से फायरिंग शुरू कर दी। दो गोली शिव प्रताप सिंह के सिर के नजदीक से गुजरी और वह लहूलुहान होकर गिर पड़े। गोली की आवाज और शोर सुनकर उधर से गुजर रहे प्रफुल्ल सिंह निवासी मनिरामपुर ऊंचाहार व अनुज सिंह निवासी पुरे राय मजरे पारी बाइक से घटनास्थल पर रुके और हमलावरों से भिड़ गए। इस पर हमलावरों ने इन दोनों पर भी फायरिंग की। प्रफुल्ल सिंह के हाथ से गोली छूती होती निकल गई। इसके बाद हमलावरों ने दोनों को जमकर पीटा और भाग गए। इस दौरान आसपास के गांव के लोग भी मौके पर पहुंच गए और मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची जगतपुर पुलिस ने घायलों को सीएचसी पहुंचाया, जहां से चिकित्सकों ने गंभीर हालत में तीनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।वहां से तीनों को एम्स रेफर कर दिया गया है। घटना की जानकारी मिलने पर एसपी रवि कुमार ने मौके पर जाकर पड़ताल की। देर रात आईजी एस किरण भी पहुंचे हैं। पुलिस उपाधीक्षक गिरिजा शंकर त्रिपाठी ने बताया कि शराब के ठेके को लेकर पूर्व में विवाद हुआ था। मामले की जांच की जा रही है।

कालीघाट मेट्रो स्टेशन पर व्यक्ति ने पटरी पर कूदने की कोशिश की, कुछ देर बाधित रही ब्लू लाइन सेवा

कोलकाता : शनिवार सुबह कोलकाता मेट्रो के कालीघाट स्टेशन पर एक यात्री द्वारा आत्महत्या का प्रयास किए जाने से ब्लू लाइन पर मेट्रो सेवा कुछ समय के लिए प्रभावित रही। घटना के कारण महानायक उत्तम कुमार से मैदान स्टेशन के बीच मेट्रो परिचालन रोक दिया गया, जिससे सुबह के समय यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। मेट्रो अधिकारियों के अनुसार, इस दौरान आंशिक रूप से सेवा संचालित की गई। महानायक उत्तम कुमार से शहीद खुदीराम तक अप और डाउन दोनों दिशाओं में तथा मैदान से दक्षिणेश्वर तक मेट्रो चलती रही। बाद में स्थिति सामान्य होने पर सुबह 7:44 बजे से पूरी ब्लू लाइन पर नियमित सेवा बहाल कर दी गई। मेट्रो प्रशासन ने एक आधिकारिक बयान जारी कर बताया कि कालीघाट स्टेशन पर एक यात्री द्वारा आत्महत्या के प्रयास के कारण सुबह की सेवाएं प्रभावित हुईं। हालांकि, कर्मचारियों की तत्परता से स्थिति पर शीघ्र नियंत्रण पा लिया गया और परिचालन सामान्य कर दिया गया। शनिवार को सप्ताहांत होने के बावजूद बड़ी संख्या में कार्यालय खुले होने के कारण ब्लू लाइन पर रोजाना की तरह अच्छी-खासी भीड़ थी। सेवा बाधित होने से कई यात्री विभिन्न स्टेशनों पर फंस गए। टालिगंज स्टेशन पर कुछ यात्रियों को मेट्रो से उतार दिया गया, जबकि कई स्टेशनों पर ट्रेनें रोकनी पड़ीं। इसके बाद बड़ी संख्या में यात्रियों ने बस और अन्य वैकल्पिक परिवहन साधनों का सहारा लिया। सेवा बाधित रहने के दौरान स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ भी बढ़ गई। गौरतलब है कि कोलकाता मेट्रो की ब्लू लाइन पर इस तरह की घटनाएं पहले भी सामने आती रही हैं। प्लेटफॉर्म और पटरियों के बीच पूर्ण सुरक्षा अवरोध नहीं होने के कारण इन स्टेशनों को संवेदनशील माना जाता है। यात्रियों की सुरक्षा के लिए कालीघाट स्टेशन पर गार्ड रेल भी लगाई गई है, लेकिन इसके बावजूद व्यक्ति के सुरक्षा अवरोध के बीच से निकलकर पटरी पर कूदने की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर फिर सवाल खड़े कर दिए हैं।

इंडिया वन एयर की जमशेदपुर-कोलकाता सर्विस बंद, वीजीएफ सपोर्ट खत्म होना बताया कारण

जमशेदपुरः जमशेदपुर और कोलकाता के बीच संचालित होने वाली इंडिया वन एयर की सीधी उड़ान सेवाएं वर्तमान में अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गयी हैं। इससे गुरुवार को जमशेदपुर और कोलकाता के बीच हवाई कनेक्टिविटी को बड़ा झटका लगा। इंडिया वन एयर ने इस फैसले के पीछे मुख्य कारणों के तौर पर पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा वायबिलिटी गैप फंडिंग (वीजीएफ) सपोर्ट खत्म होने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों का हवाला दिया। इससे गुरुवार को यात्रियों को भारी परेशानी हुई।

एयरलाइंस के मुताबिक, ये रूट केंद्र सरकार की उड़ान-आरसीएस स्कीम के तहत चल रहा था। इस स्कीम में 3 साल तक चुने हुए रूट्स पर वित्तीय मदद मिलती है। तीन साल पूरे होने के बाद एयरलाइन को बिना मदद के चलाना था। वेस्ट बंगाल सरकार ने वीजीएफ को आगे नहीं बढ़ाया, जिससे रूट चलाना मुश्किल हो गया। इंटरनेशनल मार्केट में क्रूड ऑयल के दाम बढ़ने से एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) महंगा हो गया। कम यात्रियों वाले रीजनल रूट पर ये खर्च उठाना एयरलाइन के लिए संभव नहीं रहा।

बताया जाता है कि इस सीधी फ्लाइट पर बिजनेस ट्रैवलर्स, स्टूडेंट्स, मरीज और टूरिस्ट सबसे ज्यादा निर्भर थे। ये सर्विस झारखंड के इंडस्ट्रियल शहर जमशेदपुर को पूर्वी भारत के बड़े कमर्शियल हब कोलकाता से जोड़ती थी। इस रोजाना चलने वाली फ्लाइट को फरवरी 2023 में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और झारखंड सीएम हेमंत सोरेन ने शुरू किया था। इसे झारखंड के एविएशन मैप के लिए बड़ा कदम माना गया था।

जमशेदपुर में नहीं मिल रहा पेट्रोल-डीजल कई पंपों पर लटके ताले, लोग परेशान

जमशेदपुरः जिले में पेट्रोल-डीजल की किल्लत जारी रही। सप्लाई सिस्टम पूरी तरह ठप होने के कारण शहर के अधिकांश पेट्रोल पंप ड्राई हो चुके हैं, जिससे वाहन चालकों को भारी दिक्कत हो रही है। स्थिति यह थी कि तेल न होने के कारण शहर के कई प्रमुख पंपों के संचालकों को ताले लटकाने पड़े। शहर के अलग-अलग इलाकों में ईंधन की उपलब्धता को लेकर दिनभर अफरा-तफरी की स्थिति रही। सिदगोड़ा स्थित पेट्रोल पंप में पेट्रोल पूरी तरह खत्म हो गया। यहां केवल डीजल मिल रहा था। बिष्टुपुर के तिवारी बेचर पेट्रोल पंप पर पेट्रोल और डीजल दोनों उपलब्ध थे, जिस कारण भारी भीड़ उमड़ पड़ी। वाहनों की लंबी लाइन लग गई। वहीं, दूसरी ओर बिष्टुपुर गोल चक्कर स्थित पंप पर पेट्रोल नहीं होने से सन्नाटा पसरा हुआ था। कदमा में पेट्रोल पंप पर भी ईंधन की किल्लत साफ देखी गई और वाहन चालकों को कतारों में इंतजार करना पड़ा। बर्मा माइंस स्थित पंप में भी दिन के समय पेट्रोल और डीजल उपलब्ध नहीं थे, जिसके चलते पंप को बंद रखना पड़ा।

प्रशासन और पंप संचालकों के अनुसार इस संकट का कारण तेल की कमी नहीं, बल्कि बोकारो डिपो में आयी तकनीकी खराबी है। दरअसल पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने वाला ब्लेंडिंग पंप खराब हो गया है। सरकार के नियमों के मुताबिक पेट्रोल में 20% इथेनॉल मिलाया जाता है, लेकिन मिक्सिंग पंप खराब होने के कारण इथेनॉल की मात्रा असंतुलित हो गई है। इसके अलावा, जरा सा भी मॉइस्चर (नमी या पानी) आने पर इथेनॉल पानी के साथ रासायनिक प्रतिक्रिया कर जाता है, जिससे वह भारी होकर टंकी के नीचे बैठ जाता है। इस ब्लेंडिंग के सही से नहीं होने के कारण पेट्रोल और इथेनॉल अलग-अलग हो गए, जिसे लोग पेट्रोल में पानी समझने लगे। यह समस्या पेट्रोल पंप के स्तर पर नहीं, बल्कि सीधे डिपो के मिक्सिंग सिस्टम में आई है।

पेट्रोल पंप डीलरों और ट्रांसपोर्टर्स ने इस संकट को देखते हुए कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने डिपो से तब तक तेल लेने से इनकार कर दिया है। जब तक कि ईंधन की गुणवत्ता की पूरी जांच न हो जाए। सुरक्षा के दृष्टिकोण से लिये गये इस निर्णय से सप्लाई चेन में दो दिनों का गैप कर दिया है। पंप संचालकों का मानना है कि यदि डिपो का मिक्सिंग पंप पूरी तरह ठीक हो जाता है और जांच प्रक्रिया सुचारू होती है, तो आने वाले एक से दो दिनों के भीतर शहर में पेट्रोल-डीजल की सप्लाई पूरी तरह सामान्य होने की प्रबल संभावना है।

सोनारडीह में केबल चोरों का आतंक, विरोध करने पर बीसीसीएल कर्मी को मारी गोली,घायल

धनबादः जिले के सोनारडीह ओपी के महज चंद कदम की दूरी में बीती रात सोनारडीह ओपी के बोकारो धनबाद के एनएच 32 हाइवे के किनारे बीसीसीएल के समरसेबल पंप पर रात्रि पाली में ड्यूटी में तैनात बीसीसीएल कर्मी पंप ऑपरेटर उमेश रविदास को केबल चोरों ने गोली मारकर घायल कर दिया। बताया जा रहा है कि शुक्रवार की रात करीब एक से 1:30 बजे आधा दर्जन चोरों ने केबल चोरी कर रहे थे। जिसका विरोध पंप ऑपरेटर ने किया तो अपराधियों ने गोली चला दिया। गोली बीसीसीएल कर्मी उमेश रविदास के दायां पैर में लगी है जो की गोली पैर के आर पार हो गया है। हो हल्ला होने पर अपराधी भाग खड़े हुए घायल उमेश रविदास ने फोन कर अपने साथी को बुलाया। आनंद फानन में उसे इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल मे ले जाया गया। फिर बेहतर इलाज के लिए सेंट्रल हॉस्पिटल धनबाद रेफर कर दिया गया। जब इसकी सूचना सुनती पुलिस को मिली तो दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंची घटनास्थल से पुलिस ने एक खोखा बरामद किया है। पुलिस घटना की जांच में जुटी है। बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो को इस घटना का सूचना मिलते ही घटनास्तर पर पहुंचे। घटनास्थल सही उन्होंने कहा कि इन दिनों बाघमारा सहित पूरे झारखंड में विधिववस्था चरमरा गई हैं। अपराधी बेलगाम हो चुके हैं आए दिन जहां-तहां गोलीबम की गुंज सुनाई दे रही हैं। जब थाना के महज कुछ दूरी पर इस तरह की घटना हो रही है तो आम आदमी कहीं से सुरक्षित नहीं है। समरसेबुल में लगातार केबल चोरी का यह तीसरी बार घटना हुई है।

युवक की मौत के बाद अस्पताल में हंगामा परिजनों ने गलत इलाज का लगाया आरोप

धनबादः गिरिडीह में सड़क दुर्घटना में घायल 24 वर्षीय मिथिलेश कुमार की इलाज के दौरान शुक्रवार को एशियन जालान अस्पताल में मौत हो गई। युवक की मौत के बाद परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। जानकारी के अनुसार, 20 जून को बाइक से हुए सड़क हादसे में घायल मिथिलेश कुमार को इलाज के लिए एशियन जालान अस्पताल में भर्ती कराया गया था। छह दिनों तक इलाज चलने के बाद 26 जून को उसकी मौत हो गई। मृतक के परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में मिथिलेश कुमार के बजाय मिथिलेश पासवान की मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर इलाज किया गया। उनका कहना है कि रिपोर्ट की इस गंभीर चूक के कारण गलत दवाइयां दी गईं, जिससे युवक की हालत बिगड़ती गई और अंततः उसकी जान चली गई। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि शव ले जाने के लिए अस्पताल की ओर से 50 हजार रुपये की मांग की गई। वहीं, अस्पताल प्रबंधन ने सभी आरोपों से इनकार किया है।

गढ़वा कस्तूरबा गांधी आवासीय स्कूल फूड प्वाइजनिंग मामला

अभिभावकों ने स्कूल प्रबंधन पर लापरवाही बरतने का लगाया आरोप

कल रात हॉस्टल में भोजन करने के कुछ ही देर बाद छात्राओं में पेट दर्द, उल्टी और सिर चकराने की परेशानी शुरू हो गयी थी

संवाददाता

गढ़वाः जिले के खरौंधी स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में शुक्रवार की रात भोजन करने के बाद 100 से अधिक छात्राएं फूड प्वाइजनिंग की शिकार हो गईं। इस घटना के बाद विद्यालय परिसर में हड़कंप मच गया है। आनन-फानन में सभी बीमार छात्राओं को स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। इस घटना को लेकर छात्राओं के अभिभावकों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है।

अभिभावकों ने लगाए गंभीर आरोप : घटना की जानकारी मिलने के बाद शनिवार सुबह बड़ी संख्या में छात्राओं के अभिभावक विद्यालय और अस्पताल पहुंचे।

परिजनों ने स्कूल प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। अभिभावकों का कहना है कि बच्चों को परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता बेहद खराब है। अभिभावकों का आरोप है कि स्कूल में बच्चों को जली हुई रोटियां और गुणवत्ताहीन खाना दिया जा रहा था। बार-बार शिकायत के बावजूद खाने के स्तर में कोई सुधार नहीं किया गया, जिसका नतीजा आज हमारे बच्चों को भुगतना पड़ रहा है।

छात्राओं का इलाज जारी : जानकारी के अनुसार, शुक्रवार की रात हॉस्टल में भोजन करने के कुछ ही देर बाद छात्राओं ने पेट दर्द, उल्टी और सिर चकराने की शिकायत शुरू कर दी। देखते ही देखते बीमार छात्राओं की संख्या बढ़ती चली गई। स्कूल प्रशासन द्वारा तुरंत स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र और डॉक्टरों को सूचित किया गया, जिसके बाद रात में ही राहत और बचाव कार्य शुरू हुआ। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, फिलहाल सभी छात्राओं का इलाज डॉक्टरों की देखरेख में चल रहा है और अधिकांश बच्चों की स्थिति अब स्थिर बताई जा रही है। वहीं, स्थानीय ग्रामीणों और अभिभावकों ने जिला प्रशासन से इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच करने और दोषी वार्डन और रसोइया पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

तंजीमुल अंसार कमेटी ने किया सम्मान समारोह का आयोजन

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदनीनगरः- 10वीं मोहर्रम (योमे आशूरा) के अवसर पर तंजीम के बैनर तले शहर के हृदय स्थली छः मुहान पर तंजीम़ के पंडाल में सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सम्मान समारोह कार्यक्रम में पलामू प्रक्षेत्र के डीआईजी कौशल किशोर ने कहा की हजरत इमाम हुसैन की शहादत सत्य न्याय और इंसानियत के लिए दी गई एक अद्वितीय कुर्बानी है उन्होंने कहा कि हजरत इमाम हुसैन की कुबार्नी मानवीय मूल्यों की रक्षा की सबसे बड़ी मिसाल है। अईए इस अवसर पर हम सभी मिलकर आपसी भाईचारे, शांति और इंसानियत का संदेश फैलाएं । इस मौके पर तंजीम के सदर अशफाक अहमद ने कहा कर्बला की ये कुर्बानी आज भी इंसानियत को सच और न्याय की राह दिखाती है उन्होंने कहा कि जब-जब जुल्म बढ़ेगा तब तब इमाम हुसैन की कुर्बानी लोगों को हक के लिए खड़े होने

›› कर्बला की यह कुर्बानी इंसानियत को सच और न्याय की राह दिखाती है :- अशफाक अहमद

››इमामे हुसैन की शहादत सत्य, न्याय और इंसानियत के लिए दी गई एक अद्वितीय कुर्बानी :डीआईजी

की ताकत देगी आज हमें उनकी कुर्बानी से सब्र हिम्मत और इंसानियत का सबक लेना चाहिए । सम्मान समारोह कार्यक्रम में जेनरल खलीफा जीशान खान ,समाजसेवी मुमताज खान, गुलाम गोस उर्फ गुड्डू खॉ ,शहरयार अली ,मोनू राईन, दीपू चौरसिया,बंजारी मुखिया, अजमल अंसारी, मुन्ना खान,मोहम्मद जिलानी, शहर थाना प्रभारी ज्योति लाल रजवार ,डॉ नौशाद अहमद, डॉ कादिर प्रवेज ,असफर रब्बानी ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किए। तंजीम़ के इस कार्यक्रम अंतर्गत मुहर्रम जुलूस में शामिल लोगों की सुविधा हेतु पर्याप्त पेयजल, शिरनी का वितरण और इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। साथ ही पंडाल में आपातकालीन चिकित्सा उपचार केंद्र मुहैया कराया गया जिसमें अस्पताल प्रशासन द्वारा प्रतिनियुक्त डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ ,इमरजेंसी दवाएं, मरहम - पट्टी ,एंबुलेंस की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई। सम्मान समारोह कार्यक्रम का संचालन तंजीम के मोहम्मद अनवर आलम ने किया। इस मौके पर तंजीम के कोषाध्यक्ष मोहम्मद सिराज अंसारी, सरपरस्त हाजी अमीन रहबर , हाजी रवायत हुसैन, मास्टर जलाल अंसारी, तंजीम के विशेष सलाहकार इरशाद अहमद, प्रवक्ता हाशिम अली ,इम्तियाज अहमद , नदीम बल्खी, मोहम्मद इस्लाम, एकबाल उर्फ पप्पू, मोहम्मद अख्तर,अब्दुल फतह, मंजूर अली, फैयाज अहमद, गुलाम गौस, मोहम्मद जिलानी, अमन अंसारी, अखलाक अहमद, सुखारी ताईद, सरताज अहमद, मुमताज उर्फ मोनू,शिफ्तैन रजा, वहाब अहमद, मोहम्मद सत्तार, मोहम्मद सुल्तान, घुराराम, आसिफ नैयर , सहाब अनवर, मोहम्मद शाहनवाज,जुनैद अख्तर उर्फ छोटू,सहित सैकड़ो हुसैनी भाई मौजूद थें।

रहस्मय बीमारी से परविार के तीन सदस्यों की मौत, फैली सनसनी

पलामूः जिले के पड़वा प्रखंड अंतर्गत सिक्का गांव में एक रहस्यमयी बीमारी ने दहशत फैला दी है। एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत के बाद पूरे गांव में भय का माहौल है। पिता कुलदीप महतो और उनकी बेटी बबीता कुमारी की मौत के बाद शनिवार को परिवार की एक अन्य सदस्य इंदु कुमारी ने भी दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि कुलदीप महतो की पत्नी लाखो देवी, बहू श्वेता और बेटा नकुल महतो भी इसी बीमारी की चपेट में हैं। सभी की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। पीड़ितों के शरीर में सूजन की शिकायत सामने आई है। रिम्स रेफर करने के बावजूद ओझा के पास ले गए परिजनः स्वास्थ्य विभाग ने मरीजों को बेहतर इलाज के लिए रिम्स, रांची रेफर किया था। हालांकि, परिजनों ने उन्हें अस्पताल ले जाने के बजाय अंधविश्वास के कारण रमकंडा थाना क्षेत्र के एक ओझा के पास झाड़-फूंक के लिए पहुंचा दिया। ग्रामीणों के अनुसार अब तक मरीजों की हालत में कोई सुधार नहीं हुआ है। लगातार हो रही मौतों के बाद स्वास्थ्य विभाग ने सिक्का गांव में विशेष मेडिकल कैंप लगाया है। टीम ने ग्रामीणों के रक्त के नमूने लिए हैं और मृतक परिवार के खान-पान, रहन-सहन, पेयजल

स्रोत तथा अन्य संभावित कारणों की जांच शुरू कर दी है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजारः स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि बीमारी के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। फिलहाल किसी बीमारी की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। करीब 1500 की आबादी वाले सिक्का गांव में लगातार हो रही मौतों के बाद ग्रामीणों में भय और दहशत का माहौल है। लोग बीमारी के कारणों को लेकर चिंतित हैं और स्वास्थ्य विभाग की जांच रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं।

आईआईटी आईएसएम में 6जी तकनीक पर राष्ट्रीय रिफ्रेशर कोर्स संपन्न, देशभर के 62 शिक्षकों ने लिया प्रशिक्षण

धनबादः आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग में एडवांस्ड ऑप्टिकल कम्युनिकेशन फॉर 6जी एंड बियॉन्ड विषय पर आयोजित 12 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स का समापन वैलेडिक्टरी समारोह के साथ संपन्न हो गया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन मदन मोहन मालवीय टीचर्स ट्रेनिंग सेंटर के प्रायोजन में किया गया। कार्यक्रम में इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग एवं भौतिकी विभाग के विभागाध्यक्ष, दोनों विभागों के संकाय सदस्य तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। कार्यक्रम की निदेशक प्रो मृणालिनी पांडेय थीं।

इस समापन अवसर पर कोर्स समन्वयक प्रो। अमितेश कुमार ने बताया कि 12 दिनों तक चले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 48 विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किए गए। इन व्याख्यानों में दूरसंचार विभाग (भारत सरकार), विभिन्न आईआईटी, भारतीय विज्ञान संस्थान एनआईटी, सीएसआईआर की प्रयोगशालाओं तथा देश के कई प्रतिष्ठित शिक्षण एवं शोध संस्थानों के विशेषज्ञों ने अपने अनुभव और शोध साझा किए।

उन्होंने बताया कि इस रिफ्रेशर कोर्स में देश के विभिन्न राज्यों से 62 संकाय सदस्यों ने भागीदारी की। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को एडवांस्ड ऑप्टिकल कम्युनिकेशन, 6जी नेटवर्क, क्वांटम फोटोनिक्स, फोटोनिक इंटीग्रेटेड सर्किट्स, ऑप्टिकल सेंसिंग, फोटोनिक एवं माइक्रोवेव डिवाइसेज जैसी अत्याधुनिक तकनीकों से परिचित कराया गया। विशेषज्ञों ने इन क्षेत्रों में हो रहे नवीनतम शोध, तकनीकी विकास और भविष्य की संभावनाओं पर विस्तार से जानकारी दी। इससे प्रतिभागियों को आधुनिक संचार प्रौद्योगिकी और अनुसंधान के नए आयामों को समझने का अवसर मिला।

समापन समारोह में कोर्स समन्वयक प्रो। गोविंद मुर्मू ने धन्यवाद ज्ञापन देते हुए सभी विशेषज्ञ वक्ताओं, कार्यक्रम निदेशक, आयोजन समिति तथा प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग और सक्रिय सहभागिता के कारण यह 12 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स सफल, ज्ञानवर्धक और शिक्षकों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हुआ।

झारखंड के 24 जिलों में बारिश-बिजली का अलर्ट

3 जुलाई तक बारिश के आसार, मौसम का बदलेगा मिजाज, गिरेगा अधिकतम पारा

रांचीः राजधानी रांची सहित झारखंड के विभिन्न हिस्सों में 27 जून से तीन जुलाई तक मौसम का मिजाज बदला हुआ रहने की संभावना जताई गई है। मौसम विज्ञान केंद्र ने इस अवधि के दौरान आसमान में लगातार बादल छाए रहने, गरज-चमक के साथ वज्रपात और हल्की से मध्यम बारिश की चेतावनी दी है। खासकर एक जुलाई को राजधानी रांची में भारी बारिश होने की संभावना व्यक्त की गई है। हालांकि पलामू, चतरा और गढ़वा जैसे जिलों में फिलहाल गर्मी और उमस का असर बना हुआ है। शुक्रवार को रांची में हुई हल्की बारिश के बाद मौसम जरूर सुहावना हुआ, लेकिन उमस भरी गर्मी से लोगों को पूरी राहत नहीं मिल पाई है।

बारिश में भारी कमी, सामान्य से काफी पीछे राज्यः इस बार मानसून की रफ्तार धीमी रहने से राज्य में बारिश का आंकड़ा सामान्य से काफी कम दर्ज किया गया है। एक से 26 जून तक झारखंड में औसतन 149.8 मिमी बारिश होनी चाहिए थी, लेकिन अब तक केवल 59 मिमी ही वर्षा हुई है, जो सामान्य से करीब 61 प्रतिशत कम है।

राजधानी रांची में भी स्थिति कुछ ऐसी ही है, जहां 158.2 मिमी के मुकाबले सिर्फ 125.7 मिमी बारिश हुई है, जो सामान्य से 21 प्रतिशत कम है। गढ़वा, चतरा और पलामू जैसे जिलों में तो बारिश की कमी 90 प्रतिशत के आसपास दर्ज की गई है, जिससे किसानों और आम लोगों की चिंता बढ़ गई है।

आकाशीय बिजली गिरने से चार की मौतः राज्य में वज्रपात की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिससे जनजीवन पर असर पड़ रहा है। शुक्रवार को अलग-अलग जिलों में आकाशीय बिजली गिरने से चार लोगों की मौत हो गई। लोहरदगा के बगडू थाना क्षेत्र में बकरी चरा रही एक महिला की जान चली गई। वहीं कुड़ू और बालूमाथ क्षेत्रों में भी दो महिलाओं और एक किशोरी की मौत वज्रपात से हुई। चतरा जिले के लावालौंग प्रखंड में भी एक किशोरी की मौत ने लोगों को झकझोर दिया है। इन घटनाओं के बाद ग्रामीण इलाकों में दहशत का माहौल बना हुआ है। प्रशासन लोगों को सतर्क रहने की सलाह दे रहा है।

तेज हवा और तापमान में गिरावट के संकेतः मौसम विभाग ने आगामी दिनों को देखते हुए राज्य के 20 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जहां 50 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना है। वहीं गढ़वा, पलामू, चतरा और लातेहार जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया है।

लायंस क्लब ऑफ जमशेदपुर ने पालना गृह में बच्चों के साथ बिताया स्नेहिल समय

विनय मिश्रा

जमशेदपुरः लायंस क्लब ऑफ जमशेदपुर ने क्लब अध्यक्ष लायन आरती पांडेय के नेतृत्व में आज सोनारी स्थित पालना गृह, आदर्श सेवा संस्थान का दौरा कर वहाँ रह रहे बच्चों के साथ आत्मीय समय बिताया। इस अवसर पर क्लब के सदस्यों ने बच्चों को वस्त्र, चॉकलेट एवं बिस्कुट वितरित किए, जिससे बच्चों के चेहरों पर मुस्कान खिल उठी।

इसके साथ ही क्लब की ओर से संस्थान के लिए आवश्यक राशन सामग्री भी प्रदान की गई, ताकि बच्चों की दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति में सहयोग मिल सके।

कार्यक्रम के दौरान क्लब की ओर से आदर्श सेवा संस्थान की संचालिका प्रभा जायसवाल को समाजसेवा एवं बाल कल्याण के क्षेत्र में उनके सराहनीय योगदान के लिए स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर अध्यक्ष लायन आरती पांडेय ने कहा कि लायंस क्लब का उद्देश्य केवल सेवा कार्य करना ही नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग तक स्नेह, सहयोग और अपनत्व का संदेश पहुँचाना भी है। क्लब भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्यों के माध्यम से समाज के जरूरतमंद लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा।

कार्यक्रम में क्लब के सेक्रेटरी आलोक स्कंध,डा रघुमणि,माहरूख मेहता,ज्योति मिश्रा,इंद्राणी बंद्योपाध्याय,उर्मिला प्रसाद, अजय पांडेय,मदन केसरी,मिहिर दास,प्रदीप बंद्योपाध्याय आदि ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सेवा कार्य को सफल बनाया।

आइए हम इनसे लें प्रेरणा
जीवन में हमें भी चाहिए
परोपकारिता सीखना
इंसान का इंसान से हो भाईचारा
यही पैगाम हमारा।